RNI No. : TNHIN/2013/52520 ■ वर्ष - 14 ■ अंक - 28 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 20-08-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 सरकार की लापरवाही से चंबल पेयजल योजना लटकी : गहलोत

6 देश की सियासत पर अपराधी आचरण हावी

7 अगर देश से प्यार करना अंधभक्ति है तो मुझे गर्व है

फर्स्ट टेक

अभिनेत्री निधि अग्रवाल ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में ईडी के समक्ष पेश हुईं

हैदराबाद/भाषा। अभिनेत्री निधि अग्रवाल बुधवार को धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में यहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन्हें ऑनलाइन सट्टेबाजी से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के तहत पूछताछ के लिए बुलाया था। उन्होंने कहा, ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले के सिलसिले में उनका बयान दर्ज किया जा रहा है।

चीन में बेरोजगारी दर बढ़कर 17.9 प्रतिशत हुई

बीजिंग/भाषा। चीन में 16-24 वर्ष के युवाओं के बीच बेरोजगारी दर जुलाई में बढ़कर 17.9 प्रतिशत हो गई। सुस्त अर्थव्यवस्था के बीच रिकॉर्ड 1.27 करोड़ विश्वविद्यालय स्नातकों के नौकरी बाजार में प्रवेश करने से बेरोजगारी दर बढ़ी है। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, छात्रों को छोड़कर इस आयु वर्ग में बेरोजगारी दर जून के 14.9 प्रतिशत से बढ़कर जुलाई में 17.9 प्रतिशत हो गई। यह हाल के वर्षों में बेरोजगारी दर का दूसरा सबसे ऊंचा स्तर है। अगस्त, 2025 में यह 18.9 प्रतिशत रही थी, जबकि जून, 2026 में यह 17.8 प्रतिशत थी। जुलाई-अगस्त में रिकॉर्ड 1.27 करोड़ विश्वविद्यालय स्नातक नौकरी बाजार में आए, जो पिछले साल की तुलना में चार प्रतिशत अधिक हैं। इस दौरान 25-29 वर्ष आयु वर्ग में बेरोजगारी दर भी जून के 7.1 प्रतिशत से बढ़कर जुलाई में 7.2 प्रतिशत हो गई।

स्कॉटलैंड के सांसद मार्टिन डे ने नितिन चंद से गुरुवायूर मंदिर में की शादी

त्रिशूर/भाषा। स्कॉटलैंड संसद के सदस्य मार्टिन डे ने अपनी साथी नितिन चंद से केरल के प्रसिद्ध गुरुवायूर श्रीकृष्ण मंदिर में विवाह किया। पारिवारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। इसके बाद मंगलवार को एक सभागार में पारंपरिक विवाह समारोह आयोजित किया गया, जिसमें दंपति के करीबी रिश्तेदार और मित्र शामिल हुए। स्कॉटिश नेशनल पार्टी' के नेता मार्टिन डे ने गुरुवायूर में पारंपरिक रीति रिवाजों के संपन्न हुए विवाह की तस्वीरें अपने फेसबुक पेज पर भी साझा कीं। सूत्रों के अनुसार, एर्नाकुलम जिले के पिरवोम की निवासी नितिन 2008 में आईटी मैनेजमेंट की उच्च शिक्षा के लिए ब्रिटेन गई थी, जहां उनकी मुलाकात मार्टिन डे से हुई। उन्होंने बताया कि दोनों ने पहले ही ब्रिटेन में शादी कर ली थी, लेकिन नितिन की गुरुवायूर में विवाह समारोह आयोजित करने की इच्छा कई कारणों से टलती रही। इनमें बाढ़ और कोविड-19 महामारी भी शामिल थीं।

20-07-2026 सूर्यास्त 6:27 बजे | 21-08-2026 सूर्योदय 5:59 बजे

BSE	NSE
76,909.68	24,078.30
(-325.78)	(-76.61)

सोना	चांदी
15,960 रु.	250,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

शर्मिंदा सदन

अंटशंट जो बोल रहे कुछ,
नेता वो बकवादी है।
आरोपित करता दूजे को,
ज्यों वादी प्रतिवादी है।
हमने ऐसों को चुन करके,
करी वोट बरबादी है।
शर्मिंदा जो करे सदन को,
ये कैसी आजादी है??

झारखंड परीक्षा विवाद

प्रदर्शन स्थगित, प्रदर्शनकारियों ने सरकार को दो महीने का समय दिया

22 परीक्षाएं रद्द, 23 की जांच के आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ आंदोलन कर रहे छात्रों ने बुधवार को अपना 26 दिन से जारी प्रदर्शन स्थगित कर दिया और राज्य सरकार को समस्याओं के समाधान के लिए दो महीने का समय दिया। यह घोषणा झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नीत सरकार की ओर से मंगलवार को 22 भर्ती परीक्षाओं को रद्द करने और 2014 से राज्य लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) तथा एक आउटसोर्स एजेंसी द्वारा कराई गई 23 अन्य परीक्षाओं की जांच के आदेश के एक दिन बाद की गई।

'जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म्स मंच' के एक नेता ने कहा, हम अब आंदोलन स्थगित कर रहे हैं और सरकार को दो महीने की चेतावनी दे रहे हैं कि वह मुद्दों का समाधान करे और भर्ती परीक्षा में हुई अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कराए। छात्र आंदोलन का नेतृत्व कर रहे मंच ने बताया कि यहां जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में जारी प्रदर्शन के दौरान 15 दिन से अनशन कर रहे तीन प्रदर्शनकारियों रूपेश कुमार पाल, सविता कुमारी और राहुल क्रांति ने बुधवार को अनशन समाप्त कर दिया। मंच के नेता रविंद्र पासवान ने कहा, ''छात्रों के 26 दिन के आंदोलन के दबाव में झारखंड सरकार ने 22 भर्ती परीक्षाएं रद्द कीं और 23 अन्य की जांच शुरू की।'' प्रवक्ता पीयूष कुमार सिंह ने कहा कि यदि मुद्दों का समाधान नहीं किया गया तो वे बड़े आंदोलन के लिए मजबूर होंगे। उन्होंने कहा, हम मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से अपील करते हैं कि वह भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ियों को दोबारा होने से रोकने के लिए कड़े कदम उठाएं। साथ ही, उन्होंने 10 अगस्त को विधानसभा तक मार्च करने वाले प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी वापस लेने और भर्ती परीक्षाओं के व्हिसलब्लोअर (गड़बड़ियों का खुलासा करने वाले) संतोष कुमार मस्ताना को वित्त विभाग में बहाल करने की मांग की।

वितरण

पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले के पटशपुर के जलभराव वाले इलाकों में पुलिस ने बुधवार को निवासियों के बीच राहत सामग्री बांटी।

जयशंकर ने सिंगापुर में नए भारतीय उच्चायोग के 'चांसरी कॉम्प्लेक्स' की आधारशिला रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिंगापुर/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सिंगापुर में बुधवार को नए 'चांसरी कॉम्प्लेक्स' (भारतीय उच्चायोग परिसर) की आधारशिला रखी। विदेश मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि यह उच्चायोग दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी के ''एक नए युग'' को प्रदर्शित करेगा। इस अवसर पर वहां सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन भी मौजूद थे। जयशंकर बृहस्पतिवार से होने वाली चौथी भारत-सिंगापुर मंत्रीस्तरीय गोलमेज (आईएसएमआर) बैठक के लिए सिंगापुर में हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन के साथ नए उच्चायोग परिसर की आधारशिला रखने के कार्यक्रम में शामिल हुआ। जयशंकर ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि यह परिसर भारत-सिंगापुर व्यापक रणनीतिक साझेदारी

के नए युग को प्रदर्शित करेगा और भारतीय समुदाय के लिए सेवाओं को और मजबूत करेगा।'' सिंगापुर की 2020 की जनगणना के अनुसार, देश की 40.4 लाख की आबादी में भारतीय मूल के लोगों की हिस्सेदारी नौ प्रतिशत है। सिंगापुर में भारतीय नागरिक समेत करीब 16.4 लाख विदेशी नागरिक भी रहते हैं। भारतीय उच्चायोग के अनुसार, सिंगापुर में रहने वाले भारतीयों में छात्र और वित्तीय सेवाओं, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), निर्माण तथा समुद्री क्षेत्र में काम करने वाले लोग शामिल हैं।

सिंगापुर की चार आधिकारिक भाषाओं में से एक तमिल है। अन्य तीन आधिकारिक भाषाएं अंग्रेजी, मंदारिन चीनी और मलय हैं। इससे पहले जयशंकर और बालाकृष्णन ने दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने तथा मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति पर भी ''विस्तृत चर्चा'' की। जयशंकर ने एक अन्य पोस्ट में कहा, ''कल होने वाली चौथी भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज बैठक के दौरान उनके (सिंगापुर के विदेश मंत्री के) साथ आगे भी बातचीत करने को लेकर आशान्वित हूं।'' आईएसएमआर द्विपक्षीय आर्थिक और रणनीतिक सहयोग को बढ़ाने पर चर्चा के लिए एक अहम मंच है।

वित्त वर्ष 2024-25 में सिंगापुर भारत का छठा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था। इस अवधि में भारत ने सिंगापुर से 2120 करोड़ अमेरिकी डॉलर का आयात किया, जबकि सिंगापुर को भारत का निर्यात 1440 करोड़ अमेरिकी डॉलर रहा। पिछले 10 वर्षों में सिंगापुर का भारत में वार्षिक निवेश 1000 करोड़ से 1500 करोड़ अमेरिकी डॉलर के बीच रहा है।

स्पेसएक्स के रॉकेट के चंद्रमा से टकराने से बने गड्ढे की नासा ने जारी की तस्वीरें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

केप कैनवरल/एपी। चंद्रमा की परिक्रमा कर रहे नासा के एक अंतरिक्ष यान ने स्पेसएक्स के रॉकेट के चांद से टकराने के बाद बने गड्ढे की अब तक की सबसे स्पष्ट तस्वीरें भेजी हैं। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने मंगलवार को टक्कर वाले क्षेत्र की, टक्कर से पहले और बाद की तस्वीरें जारी कीं। फाल्कन रॉकेट का ऊपरी चरण पांच अगस्त को करीब 5,400 मील प्रति घंटे (8,700 किलोमीटर प्रति घंटे) की रफ्तार से चंद्रमा की सतह से टकराया था। यह एक साल से अधिक समय तक अंतरिक्ष में भटकता रहा था। इस रॉकेट ने 2025 में दो निजी चंद्र लैंडरों को प्रयोगों और एक छोटे रोवर के साथ

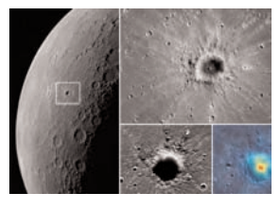

प्रक्षेपित किया था। यह चंद्र अन्वेषण के व्यावसायीकरण की नासा की पहल का हिस्सा था।

नासा के 'लूनर रिकॉनिसेंस ऑर्बिटर' से ली गई नई तस्वीरों के आधार पर वैज्ञानिकों का कहना है कि नया बना गड्ढा करीब 60 फुट (18 मीटर) चौड़ा और 10 फुट (तीन मीटर) से कम गहरा है। गड्ढे से तितली के पंखों की तरह निकलती गहरी और हल्की धारियां स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, गहरी धारियां उस सामग्री को दर्शाती हैं जो सतह के करीब थी और सौर हवाओं, ब्रह्मांडीय किरणों तथा सूक्ष्म उल्कापिंडों के प्रभाव से लंबे समय में बदल गई थी। वहीं, हल्की धारियां अधिक गहराई से उछली ताजा चट्टानों और मिट्टी को दर्शाती हैं।

अंतरिक्ष यान ने टक्कर के करीब एक सप्ताह बाद 60 मील (96 किलोमीटर) की ऊंचाई से गड्ढे की तस्वीर खींची। उस समय वह करीब एक मील प्रति सेकंड की रफ्तार से चंद्रमा की परिक्रमा कर रहा था। उड़ान नियंत्रकों को अंतरिक्ष यान को झुकाना पड़ा ताकि उसके कैमरे टक्कर वाले स्थान की ओर हो सकें। यह ऑर्बिटर हर दो घंटे में चांद की ध्रुवीय कक्षा पूरी करता है, जबकि चांद उसके नीचे घूमता रहता है। टक्कर के बाद मलबे वाले स्थान के उसकी नजर में आने में छह दिन लगे।

अदालत परिसरों की स्थापना 'न्याय की बढ़ती जरूरतों' को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण निवेश : सीजेआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा है कि केरल में दो नये अदालत परिसरों की स्थापना ''न्याय की बढ़ती जरूरतों'' को पूरा करने और अदालतों को लोगों के करीब लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निवेश है। केरल सरकार की ओर से 100 करोड़ रुपये की लागत से इरिंजालकुडा और चावक्कड़ में बनाए गए दोनों अदालत परिसरों का मंगलवार शाम सीजेआई ने डिजिटल माध्यम से उद्घाटन किया। प्रधान न्यायाधीश ने

अपने संबोधन में कहा, मुझे बताया गया है कि जिले में लगभग 30,000 दीवानी मामले और एक लाख से अधिक आपराधिक मामले लंबित हैं। ये आंकड़े बताते हैं कि जैसे-जैसे हमारा समाज विकसित और अधिक जटिल होता जा रहा है, अदालतों पर दबाव भी बढ़ रहा है। ऐसे में नए अदालत परिसर न्याय की इन बढ़ती जरूरतों से निपटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निवेश हैं। उन्होंने कहा कि नए परिसरों के जरिये अदालतों को केवल दूरी के लिहाज से ही नहीं, बल्कि बुनियादी सुविधाओं और बेहतर पहुंच के माध्यम से भी लोगों के करीब लाया जा रहा है, ताकि न्याय वास्तव में उनकी पहुंच में हो। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि इन परिसरों का महत्व केवल न्यायिक ढांचे में नई इमारतें जोड़ने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह न्याय व्यवस्था को बड़े शहरों और महानगरों के बजाय छोटे कस्बों में रहने वाले लोगों के करीब लाने का प्रयास है। प्रधान न्यायाधीश ने परिवार अदालतों में अलग-अलग कक्षों वाले परामर्श कक्षों को भी महत्वपूर्ण बताया।

कोलकाता की इमारत में आग से मारे गए नौ लोगों में पांच बांग्लादेशी

ढाका/भाषा। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में कई होटलों वाली पांच मंजिला इमारत में बुधवार को लगी आग में मरने वाले नौ लोगों में पांच बांग्लादेशी नागरिक शामिल थे। विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि स्थानीय पुलिस ने मृतकों में से पांच की पहचान बांग्लादेशी नागरिकों के रूप में की है। मंत्रालय ने बताया कि इन पांच बांग्लादेशी मृतकों में से चार एक ही परिवार के थे। 'द डेली स्टार' अखबार ने बताया, मारे गए लोगों में एक पत्रकार और उनके परिवार के तीन सदस्य शामिल थे। बयान के अनुसार, छह अन्य बांग्लादेशी नागरिक आग में घायल हो गए थे ।

गलत डीपीआर तैयार करने वाले सलाहकार राजमार्गों पर हादसों, 'मौत के दोषी' : गडकरी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि गलत विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने वाले सलाहकार राजमार्गों पर दुर्घटनाओं तथा उससे होने वाली ''मौत के लिए दोषी'' हैं। उन्होंने ठेकेदारों को निर्माण गुणवत्ता से समझौता करने पर 'ब्लैकलिस्ट' करने समेत अन्य कार्रवाई की चेतावनी दी। राष्ट्रीय

राजधानी में उद्योग मंडल फिक्की के 'टनल्स एंड ब्रिजेस कॉन्फ्रेंस 2026' के चौथे संस्करण को संबोधित करते हुए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने गलत डीपीआर तैयार करने वालों को ''दोषी'' करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि सलाहकार गूगल की मदद से ये दस्तावेज तैयार करते हैं, जिससे जान-माल का नुकसान हो रहा है। गडकरी ने कहा, ''डीपीआर की गुणवत्ता इतनी गलत है कि आज सड़कों पर पांच लाख दुर्घटनाएं होती हैं और 1.8 लाख लोगों की मौत होती है तथा इन सभी मामलों में गलत डीपीआर की समस्या है।'' मंत्री ने ठेकेदारों को बुनियादी ढांचा परियोजना हासिल करने के बाद निर्माण गुणवत्ता से समझौता करने के खिलाफ भी आगाह किया।

சென்ட்ரல் பாங்க் ஆஃப் இந்தியா
सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया
Central Bank of India
1911 से आपके लिए ''केंद्रित'' "CENTRAL" TO YOU SINCE 1911
CentEeZ
Regional Office, Chennai
NATIONWIDE MEGA
RETAIL OUTREACH PROGRAMME
21st AUGUST 2026
ONE BANK. MANY SOLUTIONS.
FOR EVERY DREAM

Access easy and affordable credit for all your needs

CENT GRIH LAKSHMI HOME LOAN	▪ Interest rate starting from 7.00%* ▪ Home Loan for Women Borrowers ▪ Maximum Tenure 30 years
CENT HOME LOAN	▪ Interest rate starting from 7.20%* ▪ For purchasing new or existing flat/house including Takeover ▪ Maximum Tenure 30 years
CENT GOLD LOAN SCHEME	▪ Maximum loan amount up to ₹ 60.00 lakh ▪ Zero processing charge up to loan amount ₹ 5.00 lakhs ▪ Processing in 10 minutes
CENT VEHICLE LOAN	▪ Interest rate starting from 7.60%* ▪ Repayment period: Max 7 years ▪ Margin: 10% – 20%

*Terms & Conditions apply

Attractive Interest Rates | Quick & Easy Processing | Minimal Documentation | Trusted Nationwide Bank

Happening in all Branches across Chennai Region
Main Venue : Palki Hall - Vestin Park Hotel, Egmore
Contact : Marketing Dept: 95051 54124
VISIT THE NEAREST BRANCH
Follow us on
www.centralbank.bank.in

'अमेरिका जम्मू-कश्मीर के लिए जारी यात्रा परामर्श की समीक्षा करेगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने बुधवार को कहा कि अमेरिका जम्मू-कश्मीर के लिए जारी यात्रा परामर्श की समीक्षा करेगा, क्योंकि केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने क्षेत्र को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए कदम उठाए हैं। गोर जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के दो दिवसीय दौरे पर बुधवार को श्रीनगर पहुंचे। उन्होंने उमर के साथ एक संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का

अहम हिस्सा और एक बेहद खूबसूरत जगह है। गोर ने कहा, अमेरिका यात्रा से जुड़ी चेतावनियां जारी करता है और हम समय-समय पर इनकी समीक्षा भी करते हैं। मैं आज यहां कोई बड़ी घोषणा तो नहीं कर सकता, लेकिन हम इस मुद्दे पर विचार जरूर करेंगे। उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि नयी दिल्ली, यहां के मुख्यमंत्री और यहां के प्रशासन ने इस क्षेत्र को और अधिक सुरक्षित बनाने के लिए कुछ बेहतरीन कदम उठाए हैं। गोर ने कहा, इसलिए हम इस बात पर विचार करेंगे कि क्या अमेरिका की ओर से जारी यात्रा चेतावनी के स्तर को कम किया जाना चाहिए, क्योंकि जैसा कि मैंने पहले कहा, यह एक खूबसूरत जगह है। मुझे लगता है कि बहुत से अमेरिकी जम्मू-कश्मीर आकर इसकी खूबसूरती का दीदार करना और यहां मौजूद अवसरों के बारे में जानना पसंद करेंगे।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में वार्षिक मचैल माता यात्रा की पवित्र छड़ी पद्दर के लिए रवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। श्री मचैल माता यात्रा की पवित्र छड़ी' हजारों श्रद्धालुओं के साथ बुधवार सुबह सरकूट स्थित गोरी शंकर मंदिर से उपमंडल पद्दर के लिए रवाना की गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इससे पहले पवित्र छड़ी जम्मू के जैन बाजार से यात्रा शुरू होने के बाद डोडा होते हुए मंगलवार शाम किश्तवाड़ लायी गई थी। किश्तवाड़ की खूबसूरत पद्दर घाटी में 9,705 फुट की ऊंचाई पर स्थित मचैल माता मंदिर की वार्षिक यात्रा 28 जुलाई को शुरू हुई थी और आठ सितंबर को समाप्त होगी।

अधिकारियों के मुताबिक, इस साल अब तक लाखों श्रद्धालु मंदिर में दर्शन कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि इनमें अप्रैल में मंदिर के कपाट खुलने के बाद यात्रा की औपचारिक शुरुआत से पहले दर्शन करने वाले करीब एक लाख श्रद्धालु भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सड़क निर्माण पूरा हो जाने के बाद अब मंदिर तक पहुंचने के लिए केवल अंतिम 1.7 किलोमीटर की दूरी पैदल तय करनी होगी। उन्होंने बताया कि भारी बर्फबारी के कारण सर्दियों में बंद होने से पहले मंदिर दिसंबर तक श्रद्धालुओं के लिए खुला रहेगा। अधिकारियों ने कहा कि किश्तवाड़ के उपायुक्त पंकज कुमार शर्मा की निगरानी में जिला प्रशासन ने यात्रा के सुचारू संचालन के लिए सभी जरूरी इंतजाम किए हैं। उन्होंने बताया कि इनमें सुरक्षा, परिवहन, पेयजल, चिकित्सा सहायता और किश्तवाड़ से मचैल तक रास्ते में अन्य सुविधाएं शामिल हैं। अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त (किश्तवाड़) विनोद कुमार बेहल और अतिरिक्त उपायुक्त (किश्तवाड़) पवन कोटवाल सहित नागरिक एवं पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों तथा बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने किश्तवाड़ शहर में पवित्र छड़ी का स्वागत किया और श्रद्धापूर्वक आशीर्वाद लिया।

मोहन भागवत ने विशाखापत्तनम में आरएसएस की तीन दिवसीय समन्वय बैठक का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने बुधवार को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में तीन दिवसीय अखिल भारतीय समन्वय बैठक' का उद्घाटन किया। बैठक विशाखापत्तनम के पास गुरुलोवा स्थित 'विज्ञान विहार' स्कूल में शुरू हुई, जहां भागवत ने भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित किए।

आरएसएस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय समन्वय बैठक विशाखापत्तनम के पास गुरुलोवा स्थित 'विज्ञान विहार' स्कूल में शुरू हुई। बैठक का उद्घाटन सरसंघचालक मोहन भागवत ने किया।''

यह बैठक 19 से 21 अगस्त तक होगी जिसमें जनसांख्यिकीय असंतुलन, मादक पदार्थ के मुद्दे और कई अन्य मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इनमें भागवत के अलावा सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सह-सरकार्यवाह और अन्य केंद्रीय पदाधिकारियों सहित संघ से प्रेरित 32 संगठनों के प्रमुख पदाधिकारी हिस्सा लेंगे।

आईएनसीओआईएस ने केरल-दक्षिणी तमिलनाडु के तटों से ऊंची समुद्री लहरों के टकराने की चेतावनी जारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (आईएनसीओआईएस) ने बुधवार को केरल, दक्षिण तमिलनाडु और लक्षद्वीप द्वीपसमूह के लिए 19-20 अगस्त को ऊंची समुद्री लहरों के उठने की चेतावनी जारी की और कहा कि इससे निचले तटीय इलाकों में जलभराव हो सकता है।

एजेंसी ने मछुआरों और तट के आसपास रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी। आईएनसीओआईएस ने एक बयान में कहा कि दक्षिणी हिंद महासागर से उठी ऊंची समुद्री लहरें दक्षिण तमिलनाडु और केरल के तटों तक पहुंच गई हैं और तटीय क्षेत्र में उनका प्रभाव 20 अगस्त तक जारी रहने की संभावना है।

इसके परिणामस्वरूप, 19 अगस्त की शाम से 20 अगस्त की शाम तक केरल, दक्षिण तमिलनाडु और लक्षद्वीप के निचले तटीय इलाकों में ऊंची लहरों के उठने से जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

बयान में कहा गया, ''चेतावनी वाले जिलों में मछुआरों और तटीय आबादी को सतर्क रहने की सलाह दी जाती है क्योंकि समुद्र के किनारे या तटवर्ती क्षेत्र में, खासकर निचले इलाकों में, रुक-रुककर ऊंची-ऊंची लहरों के प्रचंड उफान की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।'' इसमें कहा गया, ''लोगों को सलाह दी जानी चाहिए कि छोटी नौकाएं तट के पास न चलाएं। टकराव और नुकसान से बचने के लिए नौकाओं को एक-दूसरे से उचित दूरी पर खड़ा किया जा सकता है।''

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को एंजियोप्लास्टी के बाद एम्स से छुट्टी मिली

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा को एंजियोप्लास्टी के बाद बुधवार को यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) से छुट्टी दे दी गई। अस्पताल के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एम्स द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, ''एंजियोप्लास्टी के बाद नड्डा को आज छुट्टी दे दी गई। उन्होंने अपनी देखभाल के लिए सभी चिकित्सकों, नर्सों और कर्मचारियों को धन्यवाद किया।''

नड्डा की 17 अगस्त को एम्स में एंजियोप्लास्टी की गई थी। नड्डा को बेचैनी महसूस होने के बाद 13 अगस्त को एम्स में भर्ती कराया गया था। उसी शाम उनकी कई जांचें की गई थीं।

भावनगर में मिलावटी शराब पीने से दो लोगों की मौत, 19 लोग अस्पताल में भर्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भावनगर/भाषा। गुजरात के भावनगर जिले में बुधवार को कथित तौर पर मिलावटी शराब पीने से दो लोगों की मौत हो गई और 19 अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस मामले में चार शराब तस्करों को हिरासत में लिया गया है। गुजरात 'शुष्क' राज्य है, जहां शराब के निर्माण, बिक्री और सेवन पर प्रतिबंध है। भावनगर के जिलाधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि आईएमएफएल (इंडियन मेड फॉरेन लिकर) के एक ब्रांड की नकली बोतलों से शराब पीने के बाद दो लोगों की मौत हुई और 19 अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) नितेश पाण्डेय ने बताया कि कुछ दिन पहले खरकड़ी गांव में लोगों के एक समूह ने आईएमएफएल के एक ब्रांड की ''नकली'' बोतल से शराब पी थी, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्होंने बताया कि बाद में एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह अन्य को भावनगर के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया। नीलमबाग पुलिस थाने के निरीक्षक डीपी उदानकट ने बताया कि एक अन्य व्यक्ति की सर टी अस्पताल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई और उसकी मौत के सही कारण का पता लगाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक पाण्डेय ने संवाददाताओं को बताया कि वरतेज और शहर के अन्य थाना क्षेत्रों से शराब तस्करों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने कहा, खरकड़ी गांव निवासी उपेंद्रसिंह गोहिल की सर टी अस्पताल में मौत हो गई। छह अन्य लोग सर टी और शहर के दो-तीन अन्य अस्पतालों में भर्ती हैं और उनका उपचार किया जा रहा है।

स्टेंस हत्याकांड : ओडिशा सरकार को दारा सिंह की सजा में छूट संबंधी याचिका पर फैसला लेने का निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने ग्राहम स्टेंस हत्याकांड में सजायाफ्ता रवींद्र पाल उर्फ दारा सिंह की सजा में छूट संबंधी अर्जी पर फैसला लेने में देरी के लिए ओडिशा सरकार पर बुधवार को नाराजगी जाहिर की। न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने ओडिशा सरकार की ओर से पेश वकील से कहा, आप जो भी फैसला लेना चाहते हैं, लीजिए। अगर आप फैसला नहीं लेते हैं, तो हम फैसला सुनाएंगे। पीठ ने कहा, हम फैसला लेने से बचने की इस तरह की कोशिश को बर्दाश्त नहीं कर सकते।

उसने कहा कि सिंह 26 साल से अधिक समय से सलाखों के पीछे है और मामले की सुनवाई बार-बार इसलिए स्थगित की गई, ताकि संबंधित प्राधिकरण को सजा में छूट के अनुरोध वाली उसकी अर्जी पर फैसला लेने का अवसर मिल सके। सिंह 1999 में ऑस्ट्रेलियाई मिशनरी स्टेंस और उसके दो नाबालिग बेटों की हत्या के जुर्म में उम्रकैद की सजा काट रहा है।

पीठ ने कहा कि 14 जुलाई को जब मामले की सुनवाई स्थगित की गई थी, तब राज्य सजा समीक्षा बोर्ड सिंह की याचिका पर फैसला लेने की प्रक्रिया में था। उसने कहा कि अब राज्य सरकार की ओर से पेश वकील ने जेल एवं सुधार सेवा निदेशालय की ओर से उन्हें लिखा एक पत्र अदालत के सामने रखा है, जिसमें कहा गया है कि क्योंझर जिला जेल से रिपोर्ट मिलना अभी बाकी है। पीठ ने कहा, हमें सजा समीक्षा बोर्ड के फैसले के बारे में जानकारी नहीं दी गई है। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई दो सितंबर के लिए निर्धारित करते हुए कहा कि बोर्ड को इस मामले में फैसला लेना चाहिए और न्यायालय को इसकी जानकारी देनी चाहिए।

पीठ ने कहा, हमें इस बात से कोई मतलब नहीं है कि आप कैसे या किस प्राधिकारी से बात कर रहे हैं। आप बस, कोई फैसला लें। उसने कहा, लेकिन हमें पत्र दिखाकर मामले को टालने की कोशिश न करें... इसका क्या मतलब है? फैसला तो बोर्ड को ही लेना है। सिंह (63) ने समय से पहले रिहाई के अनुरोध को लेकर 2024 में शीर्ष अदालत का रुख किया था। उसने दलील दी थी कि वह 24 साल से ज्यादा समय जेल में बिता चुका हैं और जवानी के जोश में किए गए कृत्य पर उसे पछतावा है। जुलाई 2026 में मामले की सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने ओडिशा सरकार को सिंह की सजा में छूट संबंधी अर्जी पर फैसला लेने के लिए एक महीने का समय दिया था।

ओडिशा के क्योंझर जिले के मनोहरपुर गांव में 22-23 जनवरी 1999 की रात को सिंह की अगुवाई वाली भीड़ ने स्टेंस और उसके दो नाबालिग बेटों-फिलिप (11) तथा टिमोथी (8) पर उस समय हमला कर दिया था, जब वे अपनी गाड़ी में सो रहे थे। भीड़ ने गाड़ी में आग लगा दी थी। विशेष सीबीआई अदालत ने मामले के मुख्य आरोपी सिंह को 2003 में दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई थी। हालांकि, 2005 में ओडिशा उच्च न्यायालय ने उसकी मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया और 2011 में शीर्ष अदालत ने इस फैसले को बरकरार रखा।

असम में वन कर्मियों की सतर्कता से हाथी और ट्रेन की टक्कर टली

गुवाहाटी/भाषा। असम के होजाई जिले में बुधवार को वन कर्मियों ने रेल पटरी पार कर रहे हाथियों के एक बड़े झुंड को देखकर ट्रेन चालक को सतर्क कर दिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यह जानकारी दी। शर्मा ने कहा कि वन विभाग के कर्मचारी यह सुनिश्चित करने के लिए हमेशा सतर्क रहते हैं कि हाथी रेल लाइन के आरपार बने गलियारों से सुरक्षित रूप से गुजर सकें। शर्मा ने पोस्ट किया, सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने का काम जारी है। असम में रेल लाइन पार करने के लिए हाथियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले अधिकांश गलियारों पर वन विभाग के कर्मचारी उनकी सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए हमेशा सतर्क रहते हैं।

उन्होंने कहा, आज सुबह होजाई में भी ऐसा ही हुआ, जहां एक तेज रफ्तार ट्रेन के चालक को पहले ही सतर्क कर दिया गया, जिससे हाथियों की जान बचाई जा सकी। शर्मा ने वीडियो भी साझा किया, जिसमें हाथियों का झुंड रेल पटरी पार करता दिखाई दिया, जबकि ट्रेन कुछ दूरी पर रुक गई। यह घटना उच्चतम न्यायालय के उस फैसले के एक दिन बाद हुई, जिसमें कहा गया था कि कोई भी राज्य हाथियों के पारंपरिक मार्गों को बंद नहीं कर सकता और न ही वहां किसी तरह की बाधा खड़ी कर सकता है। अदालत ने कहा कि फसल या संपत्ति को होने वाले नुकसान को वन्यजीवों की आवाजाही रोकने का आधार नहीं बनाया जा सकता। अदालत ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को देशभर में हाथियों के गलियारों में मौजूद अवरोधों का सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया।

केरल में लोकभवन के पास अचानक बेहोश हुआ राहगीर, राज्यपाल आर्लेकर ने की मदद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने बुधवार को लोक भवन के पास अचानक बेहोश होकर गिरे एक राहगीर की मदद की और उसे आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था की।

लोक भवन के एक अधिकारी के अनुसार, यह घटना उस समय हुई जब राज्यपाल ओणम से जुड़े कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए कार से अपने आधिकारिक आवास से रवाना हो रहे थे। जैसे ही लोक भवन से उनकी कार बाहर निकली, उन्होंने एक राहगीर को अचानक सड़क पर गिरकर बेहोश होते देखा। राहगीर की पहचान गिरीश के रूप में हुई।

अधिकारी ने बताया कि बाद में पता चला कि शर्करा का स्तर बढ़ने के कारण गिरीश की तबीयत बिगड़ गई थी। उन्होंने बताया कि राज्यपाल बिना कोई क्षण गंवाए अपने वाहन से उतरकर तुरंत गिरीश के पास पहुंचे। उन्होंने स्थिति का जायजा लिया और आवश्यक चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश देते हुए गिरीश के पास ही बने रहे।

राज्यपाल के कर्मचारियों ने तुरंत पानी लाकर गिरीश को दिया और उसका चेहरा धोया। अधिकारी ने बताया कि इस बीच, गिरीश के फोन के जरिए उसके परिवार के सदस्यों से संपर्क कर उन्हें घटना की जानकारी दी गई। हालांकि, परिवार के सदस्य घटनास्थल से दूर होने के कारण तुरंत मौके पर नहीं पहुंच सके। उन्होंने बताया कि इसके बाद राज्यपाल ने गिरीश को पहले अस्पताल ले जाकर उसकी स्वास्थ्य स्थिति की जांच कराने का निर्देश दिया, ताकि उसकी हालत और न बिगड़े। गिरीश वेल्लायंबलम में अलाथारा देवी मंदिर के पास रहता है। अधिकारी ने बताया कि गिरीश को अस्पताल ले जाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं।

भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करा ले भाजपा, मेरे पास कोई जांच एजेंसी नहीं : उमर अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को भाजपा को चुनौती देते हुए कहा कि वह उनकी सरकार पर लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करा सकती है। उमर ने कहा कि उनकी सरकार के पास किसी भी जांच एजेंसी का नियंत्रण नहीं है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''अगर हम एक पल के लिए यह मान भी लें कि उनके आरोप सही हैं, तो भी हमारे पास ऐसी चीजों को छिपाने की ताकत नहीं है। मुझे बताएं कि कौन सी जांच एजेंसी मेरे नियंत्रण में है? एक भी नहीं।''

श्रीनगर शहर के दौरे के बाद उमर ने कहा, ''मेरे पास पुलिस का नियंत्रण नहीं है, मेरे पास अपराध शाखा नहीं है, मेरे पास भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) नहीं है, केंद्रीय एजेंसियों की तो बात ही छोड़ दें।'' मुख्यमंत्री ने यह बयान जम्मू क्षेत्र में भर्ती प्रक्रिया में भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर भाजपा द्वारा उनकी सरकार के खिलाफ किए जा रहे प्रदर्शन से जुड़े सवाल के जवाब में दिया। उन्होंने सवाल किया कि क्या किसी जांच एजेंसी ने यह कहा है कि भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा से मामला दर्ज कर जांच कराने को कहा। उमर ने कहा, ''इन जांच एजेंसियों का नियंत्रण भाजपा के पास है। आगे बढ़िए और जांच कराइए। अगर वास्तव में भ्रष्टाचार हुआ है तो मामला दर्ज कर कार्रवाई कीजिए। लेकिन ये बेबुनियाद आरोप बेवजह लगाए जा रहे हैं।'' अपनी पार्टी के चुनावी घोषणापत्र में किए गए वादों को पूरा करने से जुड़े सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार को पांच साल के लिए जनादेश मिला है, एक साल के लिए नहीं। उमर ने कहा, ''क्या पांच साल पूरे हो गए हैं? क्या मैं तीन साल तक सोता रहा? अभी दो साल भी पूरे नहीं हुए हैं। मैंने पहले दिन से कहा है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस ने अपना घोषणापत्र एक दिन, एक सप्ताह, एक महीने या एक साल के लिए नहीं दिया था। यह पांच साल का प्रारूप है। पांच साल बाद मुझसे यह सवाल पूछिएगा और मैं आपको विस्तृत जवाब दूंगा।''

ट्रेन में हुई मारपीट के बाद सूरत स्टेशन पर पूछताछ के दौरान विदेशी नागरिक की मौत, जांच जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सूरत/भाषा। सहयात्रियों से झगड़े के बाद लंबी दूरी की ट्रेन से गुजरात के सूरत रेलवे स्टेशन पर उतारे गए एक विदेशी नागरिक की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की चौकी में पूछताछ के दौरान मौत हो गई। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जीआरपी ने उसकी मौत की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए हिरासत में हुई मौत की जांच शुरू कर दी है। जीआरपी के अनुसार, यह अज्ञात विदेशी नागरिक मुंबई के बोरीवली से गोल्डन टेंपल एक्सप्रेस में सवार होकर दिल्ली जा रहा था।

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अभय सोनी ने बताया कि 17 अगस्त की रात गुजरात के वापी स्टेशन पर रुकने के बाद ट्रेन आगे बढ़ी, उस समय वह ट्रेन के दरवाजे पर खड़ा था जिसे लेकर सहयात्रियों ने आपत्ति जताई। इसी बात को लेकर विदेशी नागरिक की सहयात्रियों से कहा-सुनी हुई और फिर हाथापाई हो गई। एसपी के अनुसार, एक सहयात्री ने रेलवे की 139 हेल्पलाइन पर फोन कर एक विदेशी नागरिक के यात्रियों से झगड़ा करने की सूचना दी। आरोप है कि लड़ाई के दौरान विदेशी नागरिक ने सह-यात्रियों पर अग्निशामक यंत्र से स्प्रे भी किया। ट्रेन के सूरत पहुंचने पर आरपीएफ और जीआरपी के जवानों ने हस्तक्षेप किया और व्यक्ति को ट्रेन से उतारकर प्लेटफॉर्म स्थित आरपीएफ चौकी ले गए। सोनी ने कहा, ''पूछताछ के दौरान वह अचानक बेहोश हो गया और उसकी मौत हो गई।'' उन्होंने कहा, ''सहयात्रियों के साथ उसका विवाद हुआ था। सूरत में आरपीएफ और जीआरपी ने कार्रवाई करते हुए उसे ट्रेन से उतारा और आरपीएफ चौकी ले गए। वहां बातचीत के दौरान वह बेहोश हो गया और उसकी मौत हो गई।'' सोनी ने कहा कि व्यक्ति की पहचान और राष्ट्रीयता का अभी पता नहीं चल पाया है। वह अफ्रीकी नागरिक हो सकता है, लेकिन पुलिस अभी इसकी पुष्टि नहीं कर रही है क्योंकि एक जैसी शारीरिक बनावट वाले लोग दूसरे देशों के भी हो सकते हैं।

पुणे में दुष्कर्म के बाद बच्ची की हत्या, पड़ोसी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के पुणे जिले में एक व्यक्ति ने अपने पड़ोस में रहने वाली नौ वर्षीय बच्ची के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना मंगलवार दोपहर जुन्नार तहसील के पिंपलवाड़ी गांव में हुई और 25 वर्षीय आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। वह दिहाड़ी मजदूर है। महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने घटना को बेहद चौंकाने वाली और ''दुर्भाग्यपूर्ण'' बताते हुए पुलिस को मामले की गहन जांच करने और आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

पवार ने कहा कि वह मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से इस मामले की सुनवाई त्वरित अदालत में कराने का आग्रह करेंगी। पुणे (ग्रामीण) के पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल ने बताया कि आरोपी और बच्ची एक-दूसरे को जानते थे। उन्होंने कहा कि आरोपी और बच्ची एक ही इलाके में रहते थे और एक ही समुदाय से थे। गिल ने बताया कि दोपहर में बच्ची जब घर में टीवी देख रही थी, तभी आरोपी उसके घर गया और अमरूद देने का झांसा देकर उसे अपने साथ ले गया। वह बच्ची को पास के एक खेत में ले गया, जहां कथित तौर पर उसके साथ दुष्कर्म करने के बाद उसकी हत्या कर दी। शाम तक बच्ची के नहीं मिलने पर परिजनों ने उसकी तलाश की और बाद में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान इलाके के सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल में बच्ची आरोपी के साथ दिखाई दी। इसके बाद आरोपी को हिरासत में लिया गया। पूछताछ के दौरान उसने अपराध कबूल किया और पुलिस को गन्ने के खेत में घटनास्थल दिखाया। बाद में बच्ची का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। गिल ने बताया, ''मामला दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। आगे की जांच चल रही है।''

सरकार ने कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया

महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने पुणे (ग्रामीण) के पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल से फोन पर बात कर मामले की जांच की जानकारी ली। उन्होंने पुलिस प्रशासन को मामले की पारदर्शी और गहन जांच करने तथा आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

जनता की शिकायतों को दूर करने के लिए विजय ने विधायकों को आधिकारिक वाहन, भत्तों की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने बुधवार को विधायकों को उनके संबंधित विधानसभा क्षेत्रों में लोगों की शिकायतों के समाधान के लिए आधिकारिक वाहन और एक लाख रुपये का मासिक भत्ता देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री की इस घोषणा को सुनकर सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) विधायक के. सिंधु खुशी से झूम उठीं। उन्होंने विजय की तारीफ में गाना गाया और इस कदम के लिए उनका शुक्रिया अदा किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासनिक कार्यों और वाहन के रखरखाव में मदद के लिए सरकार हर महीने 75,000 रुपये का भत्ता देगी, जिसमें ईंधन और चालक का खर्च शामिल होगा। साथ ही, चुनाव क्षेत्र के कामकाज को संभालने में मदद के लिए निजी सहायक रखने के वास्ते हर महीने 25,000 रुपये दिए जाएंगे। सदन में मेज थपथपाने की आवाज के बीच विजय ने कहा, इन उपायों का उद्देश्य विधायकों पर आर्थिक बोझ कम करना, पारदर्शिता बढ़ाना और यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी सेवाएं बिना किसी भ्रष्टाचार के जमीनी स्तर तक पहुंचें। इन निर्देशों को औपचारिक रूप देने के लिए उचित बदलाव किए जाएंगे।

विधानसभा में नियम 110 के तहत यह घोषणा करते हुए विजय ने कहा कि विधायकों को वाहन और भत्ता देने की नई व्यवस्था से वे जनता की शिकायतों के समाधान और सरकारी परियोजनाओं की निगरानी के लिए अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में बिना किसी पर निर्भर हुए यात्रा कर सकेंगे। विजय की घोषणा पर टीवीके विधायक सिंधु झूम उठीं और उन्होंने अचानक गीत गाना शुरू कर दिया।

गुडियाथम निर्वाचन क्षेत्र से पहली बार विधायक बनीं सिंधु की सुरीली आवाज सुनकर मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष जे.सी.डी. प्रभाकर और अन्य विधायक हैरान रह गए और मुस्कुराने लगे। बाद में, विधानसभा अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री की घोषणाएं 234 सदस्यीय विधानसभा के सभी विधायकों के लिए हैं।

अमित शाह आज दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 20 अगस्त को चेन्नई के निकट ममल्लापुरम में दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की 31वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इसमें दक्षिणी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री भी हिस्सा लेंगे। सरकार ने बुधवार को यह जानकारी दी। दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद में आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना के अलावा केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह तथा लक्षद्वीप शामिल हैं। केंद्र सरकार ने कहा कि यह परिषद केंद्र और सदस्य राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के बीच मुद्दों और विवादों के समाधान के लिए एक प्रभावी मंच के रूप में काम करती है।

कर्नाटक और तमिलनाडु, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश तथा तमिलनाडु और केरल के बीच नदी जल बंटवारे से जुड़े विवाद उन मुद्दों में शामिल हैं, जिन पर लगातार चर्चा होती रही है। केंद्र सरकार ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा कि परिषद की बैठकों में राष्ट्रीय महत्व के व्यापक मुद्दों पर भी चर्चा की जाती है। अमित शाह के बुधवार शाम सात बजकर 45 मिनट तक चेन्नई पहुंचने की संभावना है। इसके बाद वह शहर के बाहरी इलाके में स्थित ममल्लापुरम के निकट कोवलम जाएंगे, जहां बैठक प्रस्तावित है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने कहा है कि वह दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में शामिल होने के लिए बृहस्पतिवार को तमिलनाडु जाएंगे। इस बैठक में राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों, विशेष रूप से दुष्कर्म के मामलों की त्वरित जांच और शीघ्र निपटारे के लिए विशेष अदालतों के अलावा शिक्षा से जुड़े विषयों पर भी चर्चा होगी। क्षेत्रीय स्तर पर साझा हितों से जुड़े मुद्दों, जैसे आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, जल बंटवारा, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) और नागरिक उड्डयन से संबंधित विषयों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

सरकार ने कहा, ''क्षेत्रीय परिषदों की भूमिका सलाहकारी होती है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में ये परिषदें विभिन्न क्षेत्रों के बीच आपसी समझ और सहयोग के मजबूत संबंध विकसित करने में महत्वपूर्ण साबित हुई हैं।'' केंद्र सरकार के मंत्रालयों और विभागों तथा सभी राज्य सरकारों के सहयोग से जून 2014 से अब तक करीब 12 वर्षों में विभिन्न क्षेत्रीय परिषदों और उनकी स्थायी समितियों की कुल 69 बैठकें हो चुकी हैं। सरकार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सहकारी संघवाद के आधार पर देश के लिए 'टीम भारत' की परिकल्पना की थी और क्षेत्रीय परिषदें इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। ये परिषदें इस सोच के आधार पर काम करती हैं कि मजबूत राज्य ही मजबूत राष्ट्र का निर्माण करते हैं। ये दो या दो से अधिक राज्यों अथवा केंद्र और राज्यों से जुड़े मुद्दों पर संवाद तथा चर्चा के लिए एक व्यवस्थित तंत्र उपलब्ध कराती हैं तथा आपसी सहयोग को बढ़ावा देने का मंच प्रदान करती हैं। सरकार ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में क्षेत्रीय परिषदों की बैठकें संवाद के माध्यम से समाधान तलाशने के एक प्रभावी मंच के रूप में विकसित हुई हैं। क्षेत्रीय परिषद ने मुख्य सचिवों के स्तर पर एक स्थायी समिति का भी गठन किया है। राज्यों द्वारा प्रस्तावित मुद्दों को पहले स्थायी समिति के समक्ष चर्चा के लिए रखा जाता है और वहां विचार-विमर्श के बाद शेष मुद्दों को क्षेत्रीय परिषद की बैठक में विचार के लिए प्रस्तुत किया जाता है।

राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 की धारा 15 से 22 के तहत दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद समेत पांच क्षेत्रीय परिषदों का गठन किया गया था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद के अध्यक्ष हैं, जबकि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय इसके उपाध्यक्ष हैं। सदस्य राज्यों के मुख्यमंत्री बारी-बारी से परिषद के उपाध्यक्ष बनते हैं। 31वीं बैठक का आयोजन केंद्रीय गृह मंत्रालय के अंतर-राज्य परिषद सचिवालय द्वारा तमिलनाडु सरकार की मेजबानी में किया जा रहा है। इस बैठक में दक्षिणी क्षेत्र के सदस्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री/उपराज्यपाल/प्रशासक तथा प्रत्येक राज्य के दो वरिष्ठ मंत्री शामिल होंगे। इसके अलावा राज्यों के मुख्य सचिव/सलाहकार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में भाग लेंगे।

तमिलनाडु मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत वार्षिक कवरेज बढ़ाकर 25 लाख रुपये किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने बुधवार को मुख्यमंत्री व्यापक स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत सालाना कवरेज को पांच लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये करने की घोषणा की।

राज्य की स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए कई अहम नई पहलों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि चिकित्सा सुविधा एक बुनियादी अधिकार है, कोई विशेषाधिकार नहीं। उन्होंने कहा कि सरकार का मकसद हर व्यक्ति को उसकी आय या स्थान की परवाह किए बिना गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना है।

उन्होंने विधानसभा में नियम 110 के तहत घोषणा करते हुए कहा कि राज्य सरकार की मुख्यमंत्री व्यापक स्वास्थ्य बीमा योजना (सीएमसीएचआईएस) के तहत वार्षिक स्वास्थ्य बीमा कवरेज को मौजूदा पांच लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये किया जाएगा।

उन्होंने घोषणा की कि उत्तर चेन्नई के पेरम्बूर में 300 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से अंतरराष्ट्रीय मानकों वाला 400 बिस्तरों का मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल बनाया जाएगा। राज्य की स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को विशेष चिकित्सा और सर्जरी सेवाओं के लिए सहायता प्रदान की जाएगी। यह सुविधा चेन्नई, तिरुनेलवेली, तूतीकोरिन और कन्याकुमारी सहित सात सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में उपलब्ध कराई जाएगी।

विजय ने कहा कि चिकित्सा कर्मियों की कमी को दूर करने के लिए 351 करोड़ रुपये का निवेश कर नर्सिंग और फार्मेसी पाठ्यक्रमों में अतिरिक्त सीटें बढ़ाई जाएंगी। इसके तहत सात नए नर्सिंग कॉलेज शुरू किए जाएंगे और मौजूदा संस्थानों में भी सीटों की संख्या बढ़ाई जाएगी। मुख्यमंत्री कैंसर देखभाल मिशन को 677.44 करोड़ रुपये के बजट के साथ उन्नत किया जाएगा। इसके अलावा, चेन्नई के राजीव गांधी सरकारी जनरल अस्पताल में 471.80 करोड़ रुपये की लागत से चार मंजिल वाला एक नया एकीकृत कैंसर उपचार केंद्र स्थापित किया जाएगा। साथ ही, तंजावुर, कोयंबटूर और मदुरै सहित विभिन्न जिलों में पांच क्षेत्रीय कैंसर केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

विजय ने कहा कि अस्पतालों में 'रोबोटिक सर्जरी प्रणाली और लीनियर एक्सेलरेटर' (रेडियोथेरेपी मशीन) सहित अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके अलावा, कुछ जिलों में महिलाओं के लिए एचपीवी डीएनए जांच की सुविधा शुरू की जाएगी, ताकि गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का कारण बनने वाले 'हाई-रिस्क ह्यूमन पैपिलोमावायरस' (एचपीवी) संक्रमण की शुरुआती पहचान की जा सके। इसके साथ ही मरीजों को पोषण संबंधी सहायता भी प्रदान की जाएगी।

तिरंगा यात्रा — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में 18 अगस्त को भाजपी की शहर जिला इकाई के अध्यक्ष जे. रमेशकुमार के नेतृत्व में विशाल राष्ट्रीय ध्वज रैली निकाली गई। इस तिरंगा रैली में 160 फ़ीट लंबा राष्ट्रीय ध्वज को लेकर सैंकड़ों देशभक्त चल रहे थे। बड़ी संख्या में देशभक्तों ने रैली में हिस्सा लिया। रैली में भाजपा के कोषाध्यक्ष एस. सेकर, राज्य सचिव आर. नंदकुमार, राष्ट्रीय आम परिषद के पूर्व सदस्य जीकेएस सेल्वाकुमार, पूर्व विधायक चैलेंजर दुरई और वरिष्ठ पूर्व विधायक चिन्नारासु के साथ-साथ ज़िला, राज्य और ज़ोनल पदाधिकारी और आम जनता शामिल थी। गौरतलब है कि यह रैली 15 अगस्त को निकलनी थी लेकिन शहर को संवेदनशील बताते हुए इस पर रोक लगा दी गई बाद में कोर्ट के आदेश के बाद यह रैली निकली।

चंदन की लकड़ी काटने वाले दो लोग पकड़े गए, जुर्माना लगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इरोड। यहां जिले में निजी भूमि पर उगाए गए चंदन के पेड़ काटने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वन अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपियों की पहचान तिरुचिरापल्ली जिले के सेंथिलकुमार (35) और लोगनाथन (27) के तौर पर हुई है। उनके अनुसार, दोनों आरोपी मंगलवार को बर्गुर वन परिक्षेत्र के ईरट्टी वन क्षेत्र में एरनन की जमीन पर चंदन के पेड़ काटते हुए पाए गए। अधिकारियों ने बताया कि दोनों को पेड़ काटते देख जमीन के मालिक ने पड़ोसियों की मदद से उन्हें पकड़ लिया और वन विभाग को सूचना दी। वनकर्मी मौके पर पहुंचे और दोनों को कब्जे में ले लिया। अधिकारियों ने बताया कि दोनों पर 25-25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

बदमाशों ने शिकार-रोधी कई शिविरों को विस्फोट करके उड़ाया

मैसूरु। कर्नाटक में अज्ञात बदमाशों ने कथित तौर पर विस्फोटकों का इस्तेमाल करके चामराजनगर स्थित कावेरी वन्यजीव अभयारण्य में शिकार-रोधी कई शिविरों को विस्फोट से उड़ा दिया। वन विभाग के सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। इन हमलों की घटनाएं 15 अगस्त को वन विभाग के साथ मुठभेड़ में तीन कथित शिकारियों की मौत के बाद विभाग के खिलाफ जारी आक्रोश के बीच सामने आई हैं। सूत्रों ने बताया कि कोथनूर क्षेत्र में स्थित मिनचिनारेहल्ला शिकार-रोधी शिविर को कथित तौर पर डायनामाइट और जिलेटिन की छड़ों का इस्तेमाल करके नष्ट कर दिया गया। उन्होंने कहा कि विस्फोट इतना तेज था कि शिविर की दीवारें क्षतिग्रस्त हो गईं और अंदर रखा सामान जल गया।

कोथनूर क्षेत्र के कई अन्य शिकार-रोधी शिविरों-मिनचिनाहल्ली, भीमेश्वरी, ओलेमरदा हट्टी, बुडिकेरे, बंदाहल्ली और कालीदोड्डी-को भी 18 और 19 अगस्त की दरमियानी रात निशाना बनाया गया। इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने कहा कि सरकार 15 अगस्त को तीन कथित शिकारियों की मौत की जांच के नतीजे का इंतजार करेगी, उसके बाद ही इस मामले पर कोई टिप्पणी करेगी। शिवकुमार ने कहा, हम अभी इस बारे में कुछ नहीं बोलेंगे। वन अधिकारी अलग-अलग जानकारियां दे रहे हैं, लेकिन मामले की जांच जारी है। हम इसकी गहराई से जांच कर रहे हैं। जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट आने दीजिए, उसके बाद मैं इस बारे में बात करूंगा। हमारे वन मंत्री भी इस मामले की पहले से ही बहुत विस्तृत जांच कर रहे हैं। मारे गए तीनों व्यक्ति (एंथनी सामी, जॉन रोज पीटर और कुमार) चामराजनगर जिले के हनूर तालुक के गांवों के निवासी थे। कावेरी वन्यजीव अभयारण्य क्षेत्र में 15 अगस्त को वन विभाग के कर्मचारियों ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी थी। कर्नाटक के अधिकारियों के अनुसार, वन्यजीवों के कथित शिकार की सूचना मिलने के बाद शिकार-रोधी अभियान चला रहे वन विभाग के कर्मचारियों पर एक समूह ने गोलीबारी कर दी। इसके बाद कर्मचारियों ने कथित तौर पर आत्मरक्षा में जवाबी गोलीबारी की। इस मुठभेड़ में तीनों लोगों की मौत हो गई। राजनीतिक दलों ने दावा किया है कि मृतक तमिल थे और उन्होंने गोलीबारी की घटना को लेकर कर्नाटक के अधिकारियों द्वारा दी गई सफाई पर सवाल उठाए हैं।

तमिलनाडु विधानसभा से अन्नाद्रमुक सदस्यों का बहिर्गमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा में विपक्षी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के सदस्यों ने बुधवार को सदन से बहिर्गमन किया। विधानसभा अध्यक्ष जे. सी. डी. प्रभाकर ने व्यवस्था दी थी कि पार्टी जिस मुद्दे को उठाना चाहती है, वह उसे बृहस्पतिवार को उठाये। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय द्वारा स्वास्थ्य, दूध खरीद मूल्य में वृद्धि और विधायकों को सरकारी वाहन उपलब्ध कराने समेत कई घोषणाएं किए जाने के दौरान सदन में शांति बनी हुई थी। हालांकि अन्नाद्रमुक नेता ई. के. पलानीस्वामी ने अध्यक्ष से अपनी पार्टी द्वारा दिए गए नोटिस से जुड़े मुद्दे को उठाने का आग्रह किया, जिसके बाद सदन का शांत माहौल अचानक बदल गया।

विधानसभा अध्यक्ष ने कई बार सदन में व्यवस्था बनाए रखने की अपील की और सदस्यों से स्थापित लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का पालन करने को कहा। उन्होंने कहा कि सदस्यों की ओर से दिए गए जरूरी मुद्दों को आवश्यक कार्रवाई के लिए पहले ही सरकार को भेज दिया गया है और उन्हें अगली सुबह औपचारिक रूप से लिया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि उस दिन सदन की कार्यवाही में तीन महत्वपूर्ण सरकारी विभागों की अनुदान मांगों पर चर्चा होनी है, इसलिए सदन की गरिमा बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने सदस्यों से अपनी सीट पर लौटने का आग्रह किया। हालांकि, विधानसभा अध्यक्ष के फैसले से असंतुष्ट अन्नाद्रमुक सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन किया।

बाद में विधानसभा परिसर के बाहर संवाददाताओं से बातचीत में पूर्व मुख्यमंत्री और अन्नाद्रमुक महासचिव पलानीस्वामी ने मयिलादुथुराई के एक मछुआरे से जुड़ी हालिया घटना को लेकर सत्तारूढ़ टीवीके सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि सऊदी अरब में काम कर रहे एक मछुआरे की ईरानी समुद्री लुटेरों ने गोली मारकर हत्या कर दी, जबकि तीन अन्य घायल हुए हैं और उनका इलाज जारी है।

पलानीस्वामी ने सरकार पर निष्क्रियता का आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष ने लगातार पांच दिनों तक सदन में यह मुद्दा उठाया, लेकिन उसे कोई ठोस जवाब नहीं मिला।

उन्होंने राज्य सरकार से मृत मछुआरे का शव जल्द तमिलनाडु लाने, घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने और प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता देने के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग की।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा आमन्त्रण सूचना

मंडल रेल प्रबन्धक, इंजीनियरिंग, उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से ई-निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमो के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्रो में निविदा निम्न कार्यों के लिए क्रमानुसार आमंत्रित की जाती है- **ई-निविदा सूचना सं. 2026-27:** 127 of 2026-27, **कार्य का नाम व स्थान:** Preparation of DPR and GADs of RUB/ROB at various LCs over Jodhpur Division, **अनुमानित लागत रूपये:** 7,23,13,285.38, **बयाने की राशि रूपये:** 14,46,300.00, **ई-निविदा सूचना सं. 2026-27:** 132 of 2026-27, **कार्य का नाम व स्थान:** Repairs to road surfaces at various level crossing under the jurisdiction of DEN/North Jodhpur Division, **अनुमानित लागत रूपये:** 1,29,09,898.35, **बयाने की राशि रूपये:** 2,58,200.00, **ई-निविदा सूचना सं. 2026-27:** 135 of 2026-27, **कार्य का नाम व स्थान:** Construction of Road under Bridge subway in lieu of manned LC no14 (Km 504/1-2), LC No. 62 (Km 577/8-9), LC No. 65 (Km 580/1-2), LC No. 66 (Km 580/5-6) & LC No. 69 (km 582/1-2) on MTD-BKN section in the Jurisdiction of DEN/East, **अनुमानित लागत रूपये:** 20,13,47,440.38, **बयाने की राशि रूपये:** 40,27,000.00, **ई-निविदा सूचना सं. 2026-27:** 136 of 2026-27, **कार्य का नाम व स्थान:** Provision of lift at each PF 1 & 2 at Makrana NSG-4, Ladnun and Deshnokh NSG-5 Station in the jurisdiction of Sr. DEN/North, **अनुमानित लागत रूपये:** 1,59,87,359.96, **बयाने की राशि रूपये:** 3,19,800.00, **ई-निविदा सूचना सं. 2026-27:** 138 of 2026-27, **कार्य का नाम व स्थान:** Merta Road-Bikaner CTR (P)-26.581 TKM by Contractor own PQRS/SQRS/track laying Equipment under ADEN/MTD, **अनुमानित लागत रूपये:** 9,06,27,742.47 , **बयाने की राशि रूपये:** 18,12,600.00. निविदा सूचना संख्या 127 0f 2026-27 (निविदा प्रस्तुत करने की तिथि 10.09.2026 को 15:00 बजे), 132 of 2026-27 (निविदा प्रस्तुत करने की तिथि 03.09.2026 को 15:00 बजे), 135 0f 2026-27 (निविदा प्रस्तुत करने की तिथि 02.09.2026 को 15:00 बजे), 136 0f 2026-27 (निविदा प्रस्तुत करने की तिथि 10.09.2026 को 15:00 बजे), 138 0f 2026-27 (निविदा प्रस्तुत करने की तिथि 04.09.2026 को 15:00 बजे), तक है। वेबसाईट का विवरण जहाँ पर ई-निविदा देखी व भरी जा सकती है www.ireps.gov.in

1204-PS/26

हमें NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

राजस्थान के 309 नगर निकायों के लिए चुनाव कार्यक्रम घोषित

दो चरणों में होगा मतदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के निर्वाचन आयोग ने सभी 309 नगरीय निकायों के चुनाव के लिए बुधवार को कार्यक्रम की घोषणा की। आयोग के अनुसार इन निकायों में दो चरण में चुनाव कराये जायेंगे। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने बताया कि पहले चरण में नौ सितंबर को तथा दूसरे चरण में 11 सितंबर को मतदान होगा तथा परिणाम 14 सितंबर को आएगा।

जिन 309 नगरीय निकायों में चुनाव करवाने की घोषणा की गई है, उनमें 248 नगरपालिकाएं, 51 नगर परिषद एवं दस नगर निगम हैं। इनमें कुल 10,245 वार्ड हैं। निकाय चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही सभी 309 शहरी निकायों में तत्काल प्रभाव से आदर्श आचार संहिता लागू हो गई।

राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार ने 'एक राज्य एक चुनाव' की अवधारणा की घोषणा की थी। राज्य के इतिहास में पहली बार सभी नगरीय निकायों में एक साथ चुनाव हो रहे हैं। सिंह ने कहा कि 27 अगस्त को चुनाव की अधिसूचना जारी होने के साथ ही नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। उम्मीदवार 31 अगस्त तक अपना नामांकन दाखिल कर सकते हैं। नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख तीन सितंबर है।

शहरी स्थानीय निकायों के प्रमुखों का चुनाव 21 सितंबर को होगा।

नगर निगम, नगर परिषदों और नगर पालिकाओं की आम बैठकें 22 सितंबर को होंगी। इन बैठकों के दौरान उपमहापौर, उपसभापति और नगर पालिका उपाध्यक्षों के चुनाव होंगे। सिंह ने बताया कि इन 309 शहरी स्थानीय निकायों में 1.44 करोड़ से अधिक मतदाता हैं। इनमें से 29 प्रतिशत मतदाता 36-50 साल की उम्र, 25.40 प्रतिशत 26-35 साल उम्र के और 14.7 प्रतिशत मतदाता 18-25 साल की उम्र के हैं। उन्होंने कहा कि शहरी स्थानीय निकायों में 16,465 मतदान केंद्र बनाए जाएंगे और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएंगे।

जयपुर में 5-6 सितंबर को ग्लोबल नर्सिंग सम्मेलन, जुटेंगे 10 से अधिक देशों के प्रतिनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नर्सिंग शिक्षा को आधुनिक तकनीक, वैश्विक अनुभव और भविष्य की स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने के उद्देश्य से जयपुर में पांच और छह सितंबर को 'ग्लोबल नर्सिंग सम्मेलन-2026' का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों ने बुधवार यह जानकारी देते हुए बताया कि राजस्थान अंतरराष्ट्रीय केंद्र में होने वाले दो दिवसीय सम्मेलन में 10 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों के साथ 1,500 से अधिक प्रतिभागी प्रत्यक्ष और 5,000 से अधिक प्रतिभागी ऑनलाइन शामिल होंगे।

एक संवाददाता सम्मेलन में आयोजकों ने बताया कि आरएच हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड की ओर से नर्सिंग टीचर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया-राजस्थान के सहयोग से आयोजित इस सम्मेलन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), रोबोटिक्स, आभासी वास्तविकता जैसे विषयों पर चर्चा होगी।

सम्मेलन के अध्यक्ष और आरएच हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक डॉ. राहुल शर्मा ने कहा '' स्वास्थ्य क्षेत्र तेजी से तकनीक आधारित हो रहा है। नर्सों एवं नर्सिंग विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, आभासी वास्तविकता और आधुनिक तकनीकों के साथ समय रहते जोड़ना आवश्यक है।'' उन्होंने कहा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स नर्स का विकल्प नहीं हैं। ये नर्स की चिकित्सकीय दक्षता, निर्णय क्षमता और मरीजों की देखभाल को अधिक सशक्त बनाने वाली तकनीकें हैं।

कार्यक्रम के सचिव पुरुषोत्तम कुंभज ने कहा कि सम्मेलन में नर्सिंग शिक्षा में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल के साथ ही नर्सिंग क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं और नीतिगत मुद्दों पर भी चर्चा होगी। छह सितंबर को होने वाला मुख्य सम्मेलन नर्सिंग क्षेत्र से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर केंद्रित रहेगा।

पुरुषोत्तम ने नर्सिंग क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर की नियामक व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा ''संसद से संबंधित कानून पारित होने के बावजूद उसके प्रभावी क्रियान्वयन में देरी चिंता का विषय है। नर्सिंग क्षेत्र में नियामक व्यवस्था को प्रभावी बनाने और उच्च शिक्षा से जुड़ी चुनौतियों के समाधान पर भी सम्मेलन में चर्चा की जाएगी।''

वस्त्र इकाइयां प्रदूषण रहित पर्यावरण की दिशा में कार्य करते हुए अपने दायित्वों को निभाएं : अरोड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल की अध्यक्षा श्रीमती अपर्णा अरोड़ा ने कहा कि राजस्थान की ब्लॉक प्रिंटिंग, हस्तशिल्प एवं वस्त्र प्रसंस्करण की विश्व स्तरीय समृद्ध परंपरा को सर्कुलर इकोनॉमी एवं पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के साथ जोड़कर भविष्य की प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था का आधार बनाने के लिए वस्त्र उद्योग से जुड़े उद्यमियों सहित संबंधितों को सही ढंग से अपना दायित्व निभाते हुए समन्वित प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि वस्त्र इकाइयों को जीरो लिक्विड डिसचार्ज, जल परिशोधन, परिषोधित जल के उपयोग, स्लज का वैज्ञानिक निष्पादन और प्रदूषण रहित पर्यावरण की दिशा में कार्य करते हुए दायित्वों को निभाना होगा।

श्रीमती अपर्णा अरोड़ा बुधवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में सर्कुलरिटी इन द टैक्सटाइल सेक्टर-बेस्ट प्रेक्टिसेज फॉर सस्टेनेबिलिटी एण्ड मॉडर्न टेक्नोलॉजिज फार सर्कुलर इकोनोमी विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित कर रही थी। कार्यशाला का आयोजन सितंबर में आयोजित होने वाले 10 वें वर्ल्ड सर्कुलर इकोनॉमी फोरम के प्री इवेंट के रुप में किया गया है। उन्होंने कहा कि सांगानेर, बगरु, बालोतरा, पाली, बाड़मेर सहित राजस्थान की ब्लॉक प्रिंटिंग की वैश्विक पहचान है। हमें इन्हें संरक्षित व प्रोत्साहित करने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण के दायित्व को निभाते हुए ठोस प्रयास करने होंगे। नदियों में प्रदूषित पानी को जाने से रोकने के साथ ही वस्त्र उद्योग में कम पानी के उपयोग की तकनीक, प्रदूषित पानी के परिषोधन और परिशोधित पानी का औद्योगिक संस्थाओं में उपयोग करना होगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान रिफाइनरी में उत्पादन आरंभ हो गया है, उसके आसपास विकसित होने वाले पेट्रो जोन के उद्योगों की पानी की जरुरत को बालोतरा के परिशोधित पानी से पूरा किया जा सकता है। उन्होंने ट्रीटमेंट प्लांटों की स्लज के बेहतर उपयोग सीमेंट उद्योग, ब्लॉक तैयार करने सहित अन्य संभावनाओं की तलाश की आवश्यकता प्रतिपादित की। उन्होंने कहा कि लीगेसी टैक्सटाइल क्लस्टर्स को आधुनिक अपशिष्ट जल शोधन प्रणालियों, संसाधन दक्ष तकनीकों एवं जल पुर्नचक्रण आधारित अवसंरचना से सशक्त बनाना समय की आवश्यकता है।

श्रीमती अपर्णा अरोड़ा ने कहा कि राजस्थान देश का सबसे बड़ा प्रदेश होने के बावजूद पानी की उपलब्धता सबसे कम है। परंपरागत वस्त्र उद्योग के प्रदूषित पानी को नदी-नालों में छोड़ने से अधिक प्रदूषण फैलता है। वस्त्र उद्योग के लिए केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा अनेक लाभकारी योजनाएं संचालित है। ऐसे में उद्योगों को भी प्रदूषित पानी के परिशोधन और परिशोधित पानी के उपयोग पर ध्यान देना होगा। उन्होंने विशेषज्ञों से भी आग्रह किया कि परंपरागत वस्त्र उद्योग में पानी के उपयोग में कमी लाने, प्रदूषित पानी के परिशोधन की कम लागत की बेहतर तकनीक, पानी के जीरो लिक्विड डिसचार्ज और उद्यमियों को शिक्षित व जागरुक करने की दिशा में काम करना होगा।

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सदस्य सचिव कपिल चन्द्रवाल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और औद्योगिक विकास एक-दूसरे के पूरक हैं। सर्कुलर इकोनॉमी का मॉडल उद्योगों को संसाधनों के दक्ष उपयोग, जल संरक्षण तथा अपशिष्ट को उपयोगी संसाधन में परिवर्तित करने की दिशा में नई सोच प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि मंडल का प्रयास केवल नियमन तक सीमित नहीं है, बल्कि उद्योगों को आधुनिक तकनीकों, नडऊ प्रणाली, जल पुनर्चक्रण एवं प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन अपनाने के लिए तकनीकी सहयोग और क्षमता संवर्धन उपलब्ध कराना भी है। उन्होंने उद्योगों से पर्यावरणीय मानकों का स्वैच्छिक एवं प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

कुछ हिस्सों में आज से फिर बारिश होने का अनुमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मौसम विभाग ने राजस्थान के कुछ हिस्सों में कल से फिर बारिश होने का अनुमान जताया है। विभाग के अनुसार, 20 से 23 अगस्त के दौरान पूर्वी राजस्थान के भरतपुर, जयपुर संभाग के कुछ भागों में हल्की मध्यम बारिश हो सकती है। साथ ही बाकी भागों में कमजोर बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है। इसी तरह बीकानेर संभाग के उत्तरी भागों व शेखावाटी क्षेत्र के कुछ भागों में 20 से 22 अगस्त के दौरान हल्की मध्यम बारिश होगी। बुधवार को सुबह तक, बीते चौबीस घंटे के दौरान राज्य के पश्चिमी भाग में मौसम मुख्यतः शुष्क रहा तथा पूर्वी भाग के खेरथल तिजारा, बारां, कोटा, बाँसवाड़ा, प्रतापगढ़ व सलुम्बर जिलों में कहीं कहीं पर हल्की बारिश हुई।

पीएम-कुसुम योजना ने अन्नदाता को बनाया ऊर्जादाता : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों की खुशहाली के लिए बीज से बाजार तक अनेक योजनाएं संचालित की है। पीएम-किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना और पीएम-कुसुम जैसी पहलों से किसानों की आय सुरक्षित हो रही है। पीएम कुसुम योजना के जरिये देश का किसान अन्नदाता के साथ ऊर्जादाता के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। मुख्यमंत्री ने पीएम-कुसुम योजना के लाभार्थी किसानों से संवाद करते हुए कहा कि यह योजना किसानों के लिए केवल सौर ऊर्जा योजना नहीं बल्कि अतिरिक्त आय और आत्मनिर्भरता का माध्यम बन रही है। प्रदेश में पीएम-कुसुम योजना के कम्पोनेंट-ए और सी के तहत अब तक 5 हजार मेगावाट से अधिक क्षमता के 2 हजार 300 से ज्यादा सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। वहीं, फीडर स्तर पर स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्रों की क्षमता के आधार पर राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2027 तक प्रदेश के किसानों को कृषि कार्य के लिए दिन में बिजली उपलब्ध कराने का संकल्प लिया है। वर्तमान में 26 जिलों के 3 लाख 34 हजार से अधिक किसानों को कृषि के लिए दिन में बिजली मिल रही है तथा जल्द ही प्रदेश के सभी जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। राज्य सरकार द्वारा प्रसारण तंत्र को मजबूत करने के लिए 400, 220 और 132 केवी के 61 ग्रिड सब स्टेशन तथा 33 केवी के 498 सब स्टेशन स्थापित किए गए हैं। वहीं, 12 हजार 400 मेगावाट ऑवर बैटरी ऊर्जा भंडारण क्षमता विकसित करने की परियोजनाओं पर काम चल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय और आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए लगातार कदम उठा रही है। किसान सम्मान निधि की राशि 6 हजार से बढ़ाकर 9 हजार रुपये की गई है। किसानों को बिजली बिलों में 61 हजार करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान दिया गया है। साथ ही, राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड ऋण योजना के तहत 1 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान सौर ऊर्जा उत्पादक किसानों से संवाद कर योजना से उनके जीवन में आए बदलाव और अनुभवों पर चर्चा की। इस अवसर पर ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नगर, अधिकारी व सौर ऊर्जा उत्पादक किसान मौजूद रहे। साथ ही जोधपुर, बीकानेर और अजमेर से भी अधिकारी एवं सौर ऊर्जा उत्पादक किसान वीसी के माध्यम से जुड़े।

राज्य सरकार द्वारा एनसीआर में वायु की गुणवत्ता को सुधरने की दिशा में किये जा रहे सफल प्रयास : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की स्थिति की समीक्षा एवं प्रदूषण नियंत्रण के लिए किए जा रहे प्रयासों को लेकर प्रधानमंत्री के सलाहकार तरुण कपूर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश एवं पंजाब के मुख्य सचिवों की बैठक ली। बैठक में दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में वायु गुणवत्ता की स्थिति, प्रदूषण के प्रमुख कारणों तथा प्रदूषण नियंत्रण एवं रोकथाम के लिए किए जा रहे उपायों की समीक्षा की।

बैठक में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (उ-ट्च) के अध्यक्ष राजेश वर्मा, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सचिव तन्मय कुमार, राजधानी विकास विभाग की सचिव श्रीमती डी. थारा ,राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड (एनसीआरपीबी) के सदस्य सचिव एन. सरवाना कुमार प्रधानमंत्री कार्यलय से जुड़े। संबंधित राज्यों द्वारा प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों तथा आगामी समय में आवश्यक कदमों पर भी बैठक में चर्चा की गई। तरुण कपूर ने मानसून के बाद सड़कों पर जमा धूल की प्रभावी सफाई के लिए 15 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक विशेष क्लीनिंग ड्राइव चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रदूषण को नियंत्रित करने की दिशा में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के आसपास की सड़कों की उपचारित जल से धुलाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग में तेजी लाने पर जोर देते हुए कहा कि यह प्रदूषण नियंत्रण से सीधे जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है ईंधन की खपत को कम करने एवं प्रदूषण नियंत्रण के प्रयासों को गति देने की दिशा में सभी राज्य इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दें ।उन्होंने निर्धारित समय सीमा तक सभी ईंधन स्टेशनों पर वाहन पंजीकरण एवं प्रमाणीकरण (त-क-छ) से एकीकृत स्वचालित नंबर प्लेट पहचान (-छझठ) कैमरे के संचालन एवं प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बैठक में औद्योगिक प्रदूषण नियंत्रण, वायु गुणवत्ता की नियमित निगरानी, पराली एवं बायोमास जलाने पर रोक तथा पौधारोपण जैसे उपायों को प्राथमिकता के साथ लागू करने के संबंध में भी चर्चा की गई।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राजस्थान की ओर से राज्य में वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए किए जा रहे समग्र प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार 'परिवर्तन' कार्यक्रम के तहत एनसीआर क्षेत्र में 5,268 पुराने एवं प्रदूषणकारी वाहनों के चरणबद्ध प्रतिस्थापन की दिशा में कार्य कर रही है।

सरकार की लापरवाही से चंबल पेयजल योजना लटकी : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को आरोप लगाया कि राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की लापरवाही से चंबल पेयजल योजना का काम पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने सरकार से बजट जारी कर इसका काम शुरू करवाने की मांग की है। गहलोत ने एक बयान में कहा कि हिंडोली विधानसभा क्षेत्र के 285 गांवों और 286 मजरों के करीब 85 हजार लोगों को पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए गत कांग्रेस सरकार के दौरान स्वीकृत 900 करोड़ रुपये की चंबल पेयजल योजना पिछले छह महीने से पूरी तरह ठप पड़ी है।

उन्होंने कहा कि काम बंद होने से लगी मशीनें और उपकरण तक जंग खाने लगे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री के अनुसार यह योजना नवंबर 2024 में पूरी होनी थी, पहले वन विभाग की आपत्तियों के चलते देरी हुई, फिर भाजपा सरकार में भुगतान न मिलने से ठेकेदार ने काम की गति धीमी कर दी और अब पूरी तरह रोक दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार द्वारा बजट की कमी और सरकार की लापरवाही से परियोजना लगातार लटकी हुई है।

राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा,''भाजपा यह कब समझेगी कि योजनाएं पार्टी की नहीं, सरकार की होती हैं, जो आमजन के हित के लिए बनती हैं। हिंडोली तो सिर्फ एक उदाहरण है, भाजपा सरकार का यह 'इंतजारशास्त्र' लगभग हर क्षेत्र में फैला है, हर जिले में ऐसी अटकी परियोजनाओं की फेहरिस्त लंबी होती जा रही है।'' गहलोत ने कहा कि सरकार तुरंत बजट जारी कर काम शुरू कराए, 85 हजार लोगों को और इंतजार न कराया जाए।

भू-उपयोग परिवर्तन की निर्णय अवधि में 92 प्रतिशत की कमी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में डी-रेगुलेशन फेज-ख के तहत व्यवसाय और निवेश से जुड़ी प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए किए जा रहे सुधारों के निरंतर सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। मुख्य सचिव कार्यालय के तहत प्रदेश में डी-रेगुलेशन फेज-ख की प्रगति की मॉनिटरिंग के लिए गठित सेल द्वारा जारी जुलाई माह की रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल से जुलाई 2026 के दौरान प्रदेश में लगभग 2.37 लाख करोड़ रुपये के निवेश आशय प्राप्त हुए हैं। वहीं राज निवेश पोर्टल पर आवेदनों की संख्या में लगभग तीन गुना वृद्धि दर्ज की गई है और प्रमुख व्यावसायिक सेवाओं के निस्तारण में लगने वाला समय भी उल्लेखनीय रूप से कम हुआ है।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा व्यवसाय से जुड़ी प्रक्रियाओं को सरल और पारदर्शी बनाने, नियामकीय एवं अनुपालन भार कम करने तथा निवेश संबंधी स्वीकृतियों में तेजी लाने के लिए लगातार सुधार किए जा रहे हैं। इन सुधारों से निवेशकों को विभिन्न स्वीकृतियां और सेवाएं कम समय में उपलब्ध कराने में मदद मिली है। साथ ही ये सुधार विकसित राजस्थान2047 और विकसित भारत2047 के विजन के अनुरूप प्रदेश को अग्रणी निवेश गंतव्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं।

डी-रेगुलेशन फेज-ख की जुलाई 2026 की मासिक इम्पैक्ट असेसमेंट रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल से जुलाई के दौरान राज निवेश पोर्टल पर 40 हजार 692 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 21 हजार 899 आवेदनों को स्वीकृति दी गई। केवल जुलाई माह में 10 हजार 675 आवेदन प्राप्त हुए। पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन सेवाओं की संख्या भी 181 से बढ़कर 190 हो गई है।

युवाओं के कौशल विकास और शिक्षा से रोजगार तक की राह को और मजबूत करने पर जोर : मुख्य सचिव

जयपुर। 'विकसित राजस्थान2047' के विजन के अनुरूप प्रदेश के युवाओं के कौशल विकास और शिक्षा से रोजगार तक की राह को सशक्त बनाने के लिए यूनिसेफ (यूनाइटेड नेशंस चिल्ड्रेन्स फंड) के साथ जारी सहयोग को और अधिक व्यापक एवं प्रभावी बनाने की संभावनाओं पर बुधवार को शासन सचिवालय में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की और यूनिसेफ के जनरेशन अनलिमिटेड की सीईओ डॉ. नादी अल्बिनो के बीच बैठक आयोजित की गई । मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में राज्य में यूनिसेफ द्वारा संचालित कार्यक्रमों में बेहतर वैल्यू एडिशन, क्षमता संवर्धन और दीर्घकालिक प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया गया। मुख्य सचिव ने कहा कि इन कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी एवं परिणामोन्मुखी बनाते हुए युवाओं के लिए कौशल, रोजगार और उद्यमिता के अवसरों का विस्तार किया जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि युवाओं के विकास से जुड़े यूनिसेफ द्वारा संचालित कार्यक्रमों को व्यापक स्तर पर लागू करने के लिए ठोस विस्तार रणनीति तैयार की जाए। युवाओं के लिए उपलब्ध रोजगार अवसरों को एकीकृत करने, लक्षित समूहों की आवश्यकता के अनुरूप कार्यक्रम तैयार करने तथा कस्टमाइज्ड ब्रांडिंग पर कार्य किया जाए। उन्होंने इनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उपयुक्त वित्तीय पैकेज तैयार करने पर भी जोर दिया।

सरकारी कैंसर इंजेक्शन की अवैध बिक्री के मामले में मंत्री खींवसर सख्त, तथ्यात्मक जांच के निर्देश

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने बीकानेर के सरकारी कैंसर अस्पताल के लिए आरएमएससीएल के माध्यम से भेजे गए कैंसर इंजेक्शन के दिल्ली में कथित रूप से अवैध बिक्री के मामले को गंभीरता से लेते हुए पूरे प्रकरण की तथ्यात्मक जांच के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में उपचार के लिए उपलब्ध कराई जाने वाली महंगी जीवनरक्षक दवाओं की किसी भी स्तर पर कालाबाजारी या अनाधिकृत बिक्री बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने आरएमएससीएल एवं संबंधित अधिकारियों से दवा की पूरी सप्लाई चेन, स्टॉक रजिस्टर, इंडेंट, डिस्पैच एवं अस्पताल स्तर पर वितरण का रिकॉर्ड तत्काल जांचने के निर्देश दिए हैं। खींवसर ने कहा कि यदि जांच में सरकारी दवा की आपूर्ति में किसी स्तर पर अनियमितता, लापरवाही अथवा मिलीभगत सामने आती है तो संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि सरकार मरीजों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के उपचार में उपयोग होने वाली महंगी दवाओं की उपलब्धता और उनके सुरक्षित उपयोग की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। इस मामले में भी जांच के आधार पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

सरकार ने युवाओं का भविष्य बर्बाद किया, हमें एजुकेशन-टू-एम्प्लॉयमेंट रोडमैप' तैयार करना है : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कांग्रेस कार्य समिति की बैठक हुआ मंथन

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को नरेन्द्र मोदी सरकार पर युवाओं का भविष्य बर्बाद करने का आरोप लगाया और कहा कि कांग्रेस को भविष्य की तैयारी के लिहाज से युवाओं के लिए स्पष्ट, व्यापक और समयबद्ध एजुकेशन-टू-एम्प्लॉयमेंट रोडमैप'' तैयार करना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में दिए अपने अध्यक्षीय भाषण में राम मंदिर से चढ़ावे की कथित चोरी का मुद्दा भी उठाया और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस मामले में मौन हैं।

खरगे ने कहा कि केवल कुछ लोगों को जेल भेज देने से मामला समाप्त नहीं होगा और प्रधानमंत्री को इस विषय पर जवाब देना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे युवा देश है और युवा देश का भविष्य हैं, लेकिन सरकार की ''गलत नीतियों'' ने उन्हें हताशा के ''दलदल'' में धकेल दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सांप्रदायिक उन्माद और ''रेवड़ी कल्चर'' की होड़ में युवाओं की शिक्षा और रोजगार की सबसे अधिक उपेक्षा हुई है। उन्होंने कहा, ''पिछले 12 वर्षों में मोदी सरकार ने युवाओं के भविष्य को तबाह कर दिया है।'' खरगे ने आरोप लगाया कि शिक्षा संस्थानों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े लोगों के कब्जा हो गया है। उन्होंने कहा कि पढ़-लिखकर नौकरी की तलाश में निकलने वाले युवाओं को पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में कथित घोटालों और नियुक्तियों में देरी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इसका सबसे अधिक असर गरीब और कमजोर तबकों के छात्रों पर पड़ता है। खरगे ने कहा, ''युवाओं में उभरा रोष कोई ''एक दिन का'' नहीं है और सरकार के पास उनकी बातें सुनने की फुर्सत कभी नहीं रही। सरकार समस्या का स्थायी समाधान करने के बजाय हर बार अस्थायी उपाय तलाशती रही, जिसके कारण युवाओं को सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर होना पड़ा।'' उनका कहना था कि कांग्रेस ने युवाओं की समस्याओं को अपने एजेंडे में शामिल किया है और राहुल गांधी ने ''छात्रों की गूंज'' कार्यक्रम के माध्यम से उनकी आवाज को राष्ट्रीय पटल पर रखा है। खरगे ने हालिया मानसून सत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि संसद में कांग्रेस ने शिक्षा और परीक्षाओं के मुद्दे पर व्यापक चर्चा तथा छात्रों के साथ हुई कथित ज्यादती पर बहस और जवाबदेही तय करने का प्रयास किया, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पूरे मानसून सत्र में सवालों से बचते रहे।

सीएएस को बदनाम करने के किसी भी प्रयास से सख्ती से निपटा जाएगा : सेबी प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने बुधवार को आगाह किया कि समापन नीलामी सत्र (सीएएस) यानी बाजार बंद होने के बाद शेयर के अंतिम भाव तय करने की ''व्यवस्था को बदनाम'' करने के किसी भी प्रयास के खिलाफ पूंजी बाजार नियामक सख्ती से कार्रवाई करेगा।

सीएएस को तीन अगस्त को लागू किए जाने के बाद बाजार भागीदारों की ओर से जताई गई विभिन्न चिंताओं के बीच पांडेय ने कहा कि सीएएस में हेरफेर पकड़ने की सेबी की क्षमता उस पुरानी मात्रा भारांश औसत कीमत (वीडब्ल्यूएपी) प्रणाली की तुलना में अधिक है, जिसकी जगह इसे लागू किया गया है। पांडेय ने यहां उद्योग संगठन फिक्की द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा, हम सीएएस में हेरफेर को अपेक्षाकृत आसानी से पकड़ सकते हैं। सीएएस पारदर्शिता के लिए है। अगर किसी को लगता है कि वे नई प्रणाली को बदनाम करने के लिए सीएएस में हेरफेर करेंगे, तो वे मुसीबत में पड़ेंगे।

तेजस्वी यादव हिरासत में, नीट विरोधी प्रदर्शन में पुलिस कार्रवाई के खिलाफ निकाल रहे थे मार्च

पटना/भाषा। बिहार में नीट प्रश्नपत्र लीक के विरोध में हालिया पुलिस कार्रवाई के खिलाफ बुधवार को मार्च निकाल रहे राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव को पटना में हिरासत में ले लिया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के शर्मा ने यह जानकारी दी। यादव को आयकर चौराहे के पास पुलिस वाहन में ले जाया गया। पुलिस वाहन में बैठाए जाने के दौरान यादव ने आरोप लगाया, सरकार छात्रों के भविष्य को अंधकार में धकेल रही है। परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लगातार लीक हो रहे हैं। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यादव के नेतृत्व में राजद नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दिन में यहां जेपी गोलंबर से लोक भवन के लिए विरोध मार्च निकाला। मार्च के रास्ते में लगाए गए बैरिकेड को पार करने की कोशिश कर रहे राजद नेताओं और कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने पानी की बौछार भी की। इस दौरान यादव भी मौजूद थे।

राजद सांसद मनोज झा ने 'पीटीआई-भाषा' वीडियो से कहा, ''जेन जी की भावनाओं को समझना जरूरी है। बिहार में प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ सरकार ने एके-47 राइफलों का इस्तेमाल किया और दिल्ली में ईमानदार एवं पारदर्शी परीक्षा प्रणाली की मांग करने पर उनके खिलाफ पैलेट गन और कील लगे डंडों का इस्तेमाल किया गया।'' उन्होंने कहा, ''हम यह मार्च इन सभी पहलुओं को बिहार के राज्यपाल के संज्ञान में लाने के लिए निकाल रहे हैं।''

पंजाब चुनाव को लेकर हुई मेरी गिर तारी, यह राजनीति है : सत्येंद्र जैन

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन ने बुधवार को कहा कि भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) द्वारा की गई उनकी गिरफ्तारी का संबंध आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव से है और इसे उन्होंने ''राजनीति'' करार दिया। एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि जैन और दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी उदित प्रकाश राय समेत छह लोगों को डीजेबी की सीवर शोधन संयंत्र परियोजनाओं की निविदा प्रक्रिया में कथित भ्रष्टाचार के मामले में एसीबी ने गिरफ्तार किया है। जैन 'आप' के पंजाब मामलों के सह-प्रभारी भी हैं। राउज एवेन्यू कोर्ट ले जाते समय उन्होंने कहा, ''यह सब इसलिए किया जा रहा है क्योंकि पंजाब चुनाव आने वाला है... यह राजनीति है।'' एसीबी के बयान के अनुसार, गिरफ्तार किए गए अन्य आरोपियों में डीजेबी के पूर्व संविदा सलाहकार अंकित श्रीवास्तव और नागेंद्र यादव, राजा कुमार कुर्रा तथा पंकज वर्मा शामिल हैं। यह मामला 11 मई 2024 को सतर्कता निदेशालय की शिकायत पर दर्ज किया गया था। शिकायत में डीजेबी के सीवर शोधन संयंत्रों के विस्तार और उन्नयन से संबंधित निविदा प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं, निविदा शर्तों में हेरफेर और आपराधिक साजिश के आरोप लगाए गए हैं।

एसीबी के अनुसार, जांच में सामने आया कि निविदा प्रक्रिया में कथित तौर पर ऐसी तकनीकी विशिष्टताएं और शर्तें रखी गई थीं, जो एक विशेष तकनीक प्रदाता कंपनी 'यूरोटेक एन्वायरमेंट प्राइवेट लिमिटेड' के पक्ष में थीं। इससे प्रतिस्पर्धा सीमित हुई और निजी कंपनी को अनुचित लाभ मिला।

बसपा प्रमुख मायावती ने उप्र विधानसभा चुनाव के लिए सतीश मिश्र को दी अहम जिम्मेदारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने बुधवार को कहा कि 202% के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियां जारी हैं।

उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव में ब्राह्मण समाज को भी बसपा से खासतौर से जोड़ने का इरादा जाहिर करते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेता सतीश चंद्र मिश्र को अहम जिम्मेदारी देने का ऐलान किया। मायावती ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर बसपा के जनाधार को सर्वसमाज में बढ़ाने के साथ-साथ पार्टी उम्मीदवारों के चयन व उनके नामों की पार्टी के विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलनों में घोषणा करने की प्रक्रिया जारी है, जिसे लेकर विरोधी पार्टियों में काफी बेचैनी है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''समाज के सभी वर्गों खासकर ब्राह्मण समाज को पार्टी में उनकी भूमिका और बसपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की तैयारी के साथ साथ पार्टी के उम्मीदवारों के चयन और विधानसभा स्तर के कार्यकर्ता सम्मेलनों में उनके नामों की घोषणा की प्रक्रिया जारी है।''

उन्होंने कहा, ''पार्टी ने जब से यह प्रक्रिया शुरू की है तब से विरोधी पार्टियों में इसे लेकर चर्चा व चिंताएं दोनों होना स्पष्ट हैं। इनके हथकंडों से बहुजन समाज के लोगों को लगातार सजग व सतर्क रहने की जरूरत है।'' मायावती ने पोस्ट में आगे कहा कि इसी सिलसिले में बसपा के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व मंत्री सतीश चंद्र मिश्र को पार्टी द्वारा 'कानूनी और मीडिया' के साथ-साथ अब निर्वाचन आयोग संबंधी कार्यों की भी महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी सौंपी गयी है और खासकर आगामी विधानसभा चुनाव के दौरान कई मायने में उनकी अहम भूमिका रहेगी। मायावती ने यह निर्णय पिछले हफ्ते सतीश चंद्र मिश्र के रिश्तेदार पूर्व मंत्री अनन्त मिश्र उर्फ अंटू मिश्र को पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्तता के आरोप में दल से निष्कासित किये जाने के बाद लिया है। मायावती की पार्टी ने वर्ष 2007 में हुए उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में पहली बार स्पष्ट बहुमत के साथ सरकार बनायी थी और उस समय पार्टी की कामयाबी का श्रेय दल की 'सोशल इंजीनियरिंग' को दिया था।

उप्र की मुस्लिम, हिंदू राजपूत, गुर्जर समीकरण वाली 100 विधानसभा सीट पर रहेगी नजर : बासित अली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अल्पसंख्यक मोर्चे के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर बासित अली ने कहा है कि वह पूरे देश और खासकर निकट भविष्य में विधानसभा चुनाव से गुजरने जा रहे उत्तर प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों में 'हकीकत' को सामने रखकर मुसलमानों की भाजपा से दूरी को खत्म करने की कोशिश करेंगे।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के रहने वाले अली ने कहा कि उत्तर प्रदेश के आगामी अहम विधानसभा चुनाव में उनका खास ध्यान मुस्लिम और हिंदू राजपूत, गुर्जर, जाट और त्यागी मतदाताओं के दबदबे वाली 100 विधानसभा सीट पर रहेगा। अली ने बुधवार को 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि देश के विभिन्न राज्यों के मुद्दे और राजनीतिक समीकरण अलग-अलग हैं, लिहाजा वह तमाम राज्यों के भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे के अध्यक्षों के साथ बड़ी बैठक करके भविष्य की रणनीति बनाएंगे।

उन्होंने कहा कि शुरुआत में उनका पूरा ध्यान उन राज्यों में मुस्लिम समाज को भाजपा से जोड़ने पर होगा जहां निकट भविष्य में विधानसभा के चुनाव होने हैं। राजपूत समुदाय से ताल्लुक रखने वाले अली ने उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव के लिए रणनीति के बारे में पूछे जाने पर कहा कि वह मुस्लिम और हिंदू राजपूत, गुर्जर, जाट और त्यागी समुदाय के मतदाताओं के दबदबे वाली 100 विधानसभा सीट पर ध्यान केंद्रित करेंगे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुस्लिम राजपूतों का इलाका उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और मध्य प्रदेश से सटा हुआ है और जहां-जहां हिंदू राजपूत हैं वहां मुस्लिम राजपूत की भी खासी आबादी है। अली ने कहा कि मुस्लिम गुर्जर, मुस्लिम जाट और मुस्लिम त्यागी मूलत: खेती किसानी से जुड़े हैं और अपनी जमीन से प्यार करते हैं और उनका समन्वय सभी बिरादरियों से आसानी से बन जाता है लिहाजा दोनों ही धर्मों में इन बिरादरियों से ताल्लुक रखने वाले मतदाताओं का समीकरण उप्र की 100 विधानसभा सीट पर असर डालता है।

सरकार आजम खान को प्रताड़ित कर रही है : राय

बलिया (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने बुधवार को धनशोधन मामले की जांच के तहत राज्य में समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता आजम खान के मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट और विश्वविद्यालय से संबंधित परिसरों पर बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा की जा रही छापेमारी का विरोध करते हुए आरोप लगाया कि सरकार पूर्व मंत्री को प्रताड़ित कर रही है। 'बलिया बलिदान दिवस' के अवसर पर आयोजित समारोह में सम्मिलित होने आए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राय ने बुधवार को जिला मुख्यालय पर संवाददाताओं से बातचीत में ईडी की कार्रवाई का जिक्र होने पर कहा, ''आजम खान को सरकार प्रताड़ित कर रही है।'' उन्होंने कहा कि सरकार आजम खान को लगातार परेशान कर रही है और ईडी के छापे उन्हें तंग करने के लिये ही हैं। इस बीच, उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने ईडी की कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि जौहर विश्वविद्यालय बनाने में किये गये भ्रष्टाचार की परतें अब खुल रही हैं। उन्होंने सपा नेताओं पर वक्फ संपत्तियों पर अवैध रूप से कब्जा करने का भी आरोप लगाया है। अंसारी ने संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा, ''जब आप बबूल का पेड़ बोयेंगे तो मीठे फल नहीं आएंगे। यह कहावत चरितार्थ हो रही है।''

केन-बेतवा परियोजना से प्रभावित आदिवासियों के साथ हूं, सरकार पर दबाव बनाएंगे : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के खिलाफ सत्याग्रह कर रहे आदिवासियों का समर्थन करते हुए बुधवार को कहा कि वह इस संघर्ष में उनके साथ हैं और मौके पर पहुंचकर सरकार पर दबाव बनाएंगे। राहुल गांधी ने परियोजना से प्रभावित आदिवासियों के एक समूह से हुई हालिया मुलाकात का वीडियो बुधवार को 'एक्स' पर जारी किया।

उन्होंने कहा कि केन-बेतवा परियोजना के खिलाफ सत्याग्रह कर रहे आदिवासी समुदाय के लोगों की समस्याएं, मांगें, संघर्ष और आपबीती उनकी जुबानी सामने आई हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, वर्षों से सिर्फ अपने अधिकारों के लिए अन्याय और अत्याचार सह रहे ये बुंदेलखंड निवासी सम्मान और समर्थन के हकदार हैं। आदिवासी भाई-बहनों की इस लड़ाई में, मैं और कांग्रेस उनके साथ हैं। आदिवासियों के एक प्रतिनिधि ने दावा किया कि परियोजना के कारण आदिवासी बहुल 21 गांव प्रभावित होंगे और करीब 46 लाख पेड़ों तथा पन्ना बाघ अभयारण्य पर भी असर पड़ेगा। प्रतिनिधि के अनुसार, परियोजना के तहत करीब सात हजार परिवारों की 11,500 एकड़ भूमि जा रही है। उन्होंने राहुल गांधी से संसद में, प्रशासन की ओर से कथित तौर पर किए जा रहे उत्पीड़न का मुद्दा उठाने और आंदोलन में शामिल होने का आग्रह किया। वीडियो में राहुल गांधी ने कहा कि वह मौके पर जाएंगे और सरकार पर दबाव बनाएंगे।

केन-बेतवा लिंक परियोजना देश की पहली नदी जोड़ो परियोजना है, जो 'नेशनल पर्सपेक्टिव प्लान' के तहत शुरू की गई है। इसका उद्देश्य केन नदी के अतिरिक्त पानी को बेतवा नदी में पहुंचाना है, ताकि मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के सूखा प्रभावित बुंदेलखंड क्षेत्र में सिंचाई और पीने के पानी की सुविधा दी जा सके।

प. बंगाल सरकार ने जमीन हड़पने के मामले में अभिषेक बनर्जी के सहयोगी से हिरासत में पूछताछ की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम बंगाल सरकार ने बुधवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी के निजी सहायक सुमित रॉय सालबोनी जमीन हड़पने के मामले की जारी जांच में कथित तौर पर सहयोग नहीं कर रहे हैं और पुलिस को उनसे हिरासत में पूछताछ करने की जरूरत है। शीर्ष अदालत ने छह अगस्त को जमीन हड़पने के मामले में रॉय की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी। हालांकि, अदालत ने उन्हें जांच में पूरा सहयोग करने का निर्देश दिया था।

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने तीन अगस्त को सरकारी जमीन से जुड़े कथित धोखाधड़ी के मामले में रॉय की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जिसकी जांच पुलिस कर रही है। राज्य सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बुधवार को प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायाधीश जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ से आग्रह किया कि रॉय को गिरफ्तारी से मिली सुरक्षा वापस ले ली जाए क्योंकि वह कथित तौर पर पुलिस के साथ सहयोग नहीं कर रहे हैं और सवालों से बच रहे हैं।

रॉय की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि उनके मुवक्किल अदालत के निर्देश के अनुसार पुलिस के समक्ष पेश हो रहे हैं और संविधान उन्हें कुछ न कहने का अधिकार देता है। न्यायमूर्ति बागची ने कहा, संविधान (जांच एजेंसी के) गिरफ्तारी के अधिकार को भी सुरक्षित करता है। सॉलिसिटर जनरल ने पीठ को पुलिस द्वारा अब तक इकट्ठा की गई सामग्री भी सीलबंद लिफाफे में सौंपी। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि पुलिस की सीलबंद लिफाफे में मिली रिपोर्ट देखने के बाद ही इस मामले की सुनवाई होगी।

शीर्ष अदालत ने इस मामले में रॉय की गिरफ्तारी पर रोक लगाने संबंधी अपने छह अगस्त के आदेश की अवधि बढ़ा दी। मामला धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, जालसाजी, जाली दस्तावेजों के इस्तेमाल और आपराधिक साजिश से संबंधित धाराओं के तहत दर्ज किया गया था। पीठ ने रॉय को गिरफ्तारी से सुरक्षा प्रदान करते हुए उन्हें जांच में पूरा सहयोग करने का निर्देश दिया था।

अदालत ने आदेश में कहा था, ''उनके साथ कोई वकील या कोई अन्य व्यक्ति नहीं होना चाहिए। वह सुबह 10 बजे से शाम छह बजे तक किसी भी जांच के लिए उपलब्ध रहेंगे जिसमें उन्हें समय समय पर विराम भी मिलेगा। हालांकि, उनकी गिरफ्तारी पर रोक बनी रहेगी।''

उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष की पीठ ने इस मामले में उन्हें अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया था। रॉय के वकील ने दलील दी थी कि प्राथमिकी में उनका नाम नहीं था और जांच के दौरान ही उनकी कथित संलिप्तता सामने आई थी।

एस्कॉर्ट्स कुबोटा उत्तर प्रदेश में नए संयंत्र में 2,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कृषि मशीनरी एवं निर्माण उपकरण कंपनी एस्कॉर्ट्स कुबोटा लिमिटेड उत्तर प्रदेश के यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में नया विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए 2,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगी। कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि औद्योगिक क्षेत्र यीडा में गौतम बुद्ध नगर के सेक्टर-10 स्थित 154 एकड़ क्षेत्र में प्रस्तावित यह संयंत्र उसकी प्रवर्तक कंपनी कुबोटा समूह की सबसे बड़ी विनिर्माण इकाई में से एक होगा।

एस्कॉर्ट्स कुबोटा के अनुसार, संयंत्र का विकास चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा और इसमें कुल अनुमानित निवेश 2,000 करोड़ रुपये से अधिक होगा। यहां ट्रैक्टर, कृषि उपकरण, निर्माण उपकरण और इंजन का विनिर्माण किया जाएगा। संयंत्र घरेलू के साथ-साथ वैश्विक बाजारों की मांग भी पूरी करेगा। कंपनी ने कहा कि पहले चरण में सालाना 60,000 ट्रैक्टर और 15,000 निर्माण उपकरण इकाइयों तक उत्पादन क्षमता विकसित की जाएगी।

कुबोटा कॉरपोरेशन के अध्यक्ष, प्रतिनिधि निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शिंगो हानादा ने कहा, भारत दुनिया के सबसे बड़े और तेजी से बढ़ते ट्रैक्टर बाजार में से एक है तथा वर्ष 2030 के लिए कुबोटा की वृद्धि रणनीति में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक निखिल नंदा ने कहा कि एस्कॉर्ट्स की शुरुआत 1944 में इस भरोसे के साथ हुई थी कि भारतीय किसानों और निर्माण क्षेत्र से जुड़े लोगों को दुनिया में कहीं भी उपलब्ध गुणवत्ता के अनुरूप मशीनरी मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह कंपनी की अपनी विनिर्माण क्षमता में किए गए सबसे बड़े निवेश में से एक है और उसकी यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

सुविचार

धैर्य सफलता की कुंजी है। जल्दबाजी नुकसान पहुंचाती है। सही समय का इंतजार करें, लगातार प्रयास करें, फल अवश्य मिलेगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत की चुनाव प्रणाली से सीखे अमेरिका

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय चुनाव प्रणाली की शक्ति और सामर्थ्य को खुलकर स्वीकार किया है। इतने विशाल और विविधतापूर्ण देश में चुनाव कराना कोई मामूली बात नहीं है। कई देशों की कुल आबादी से ज्यादा लोग तो भारत में एक दिन में मतदान कर देते हैं। अमेरिका, जो आधुनिक तकनीक और संसाधनों के मामले में महाशक्ति माना जाता है, का प्रशासन अपने 23 करोड़ मतदाताओं तक पहुंचते-पहुंचते हांफने लगता है, जबकि भारत इससे लगभग 4.2 गुना मतदाताओं के लिए पूरी व्यवस्था करता है। यहां चुनाव को लोकतंत्र का उत्सव माना जाता है। ट्रंप यह जानकर हैरान हैं कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में 64 करोड़ से ज्यादा लोगों ने वोट डाले थे! यही नहीं, हर मतदाता के पास फोटो युक्त मतदाता पहचान पत्र है। ट्रंप को और भी हैरानी होगी, अगर उन्हें पता चले कि भारत में नब्बे के दशक की शुरुआत में ही फोटो युक्त मतदाता पहचान पत्र आ गए थे। इस दस्तावेज तक सभी मतदाताओं की आसान पहुंच है। अमेरिका में अभी तक ऐसा नहीं हुआ है। भारत में लोकसभा और विधानसभा चुनावों में हजारों उम्मीदवार खड़े होते हैं। उनका पूरा रिकॉर्ड रखने, मतदान के लिए इंतजाम करने, मतगणना करने और नतीजे घोषित करने तक लाखों कर्मचारी बहुत मेहनत करते हैं। ईवीएम का इस्तेमाल भारत की वैज्ञानिक काबिलियत का एक और प्रमाण है, जिसने चुनाव प्रक्रिया का सरलीकरण किया है। पहले, मतपत्रों की छपाई में करोड़ों रुपए खर्च होते थे। मतदान के दौरान कई विवाद भी होते थे, जो मतगणना तक पीछा नहीं छोड़ते थे। ऐसे मामले अदालतों में चले जाते थे, जिन्हें सुलझाना काफी मुश्किल होता था। ईवीएम ने ऐसी कई समस्याएं खत्म कर दीं। अब हर वोट का हिसाब रखना आसान हो गया है।

भारत में वीवीपीएटी व्यवस्था मतदाता को अपने मत की कागजी पुष्टि देखने का अवसर देती है। कितने 'विकसित' देशों में ऐसी व्यवस्था है? अमेरिका में चुनावों के अधिकांश नियमों के निर्माण और उनका पालन कराने की जिम्मेदारी राज्यों एवं स्थानीय प्रशासन के पास है। वहां मतदाता पंजीकरण, पहचान सत्यापन, डाक मतदान और मतदान की अन्य प्रक्रियाओं में कई जटिलताएं हैं। भारत में जब चुनाव होते हैं तो लोकतांत्रिक मशीनरी एक साझा नियम-पुस्तिका के तहत चलती है। यहां सभी राज्यों में मतदाता पहचान पत्र को मान्य दस्तावेज समझा जाता है। अमेरिका के कई राज्यों में पहचान सत्यापन के तौर-तरीकों में अंतर देखने को मिलता है। उसके लिए एक कथन सुनने को मिलता है- '50 राज्य और 50 तरह की चुनाव व्यवस्थाएं!' अमेरिकी प्रणाली विकेंद्रीकरण पर जोर देती है, जो कई बार उसकी कमजोरी बन जाती है। मौजूदा हालात में ट्रंप की यह मांग प्रासंगिक है कि मतदाता पंजीकरण के समय नागरिकता का प्रमाण और मतदान के लिए पहचान पत्र अनिवार्य किया जाए। वे चुनावों में धांधली के आरोप लगा चुके हैं। वहां बड़ा सवाल यही है कि मतदाता की पहचान कैसे सत्यापित की जाए? जबकि भारत इस समस्या का दशकों पहले समाधान कर चुका है। अमेरिका को भारत के अनुभवों से सीखते हुए अपनी चुनाव प्रणाली को बेहतर बनाना चाहिए। उसे अपने हर मतदाता का फोटो युक्त मतदाता पहचान पत्र जरूर बनाना चाहिए। मतदाताओं का पंजीकरण करने, मतदाता सूची को निरंतर अद्यतन करने, सूची का रखरखाव करने की प्रक्रिया एक जैसी रखनी चाहिए। अपात्र लोगों के नाम हटाकर मतदाता सूची को शुद्ध करना जरूरी है। अगर ट्रंप भारत की चुनाव प्रणाली में अपने देश के लिए कोई सबक देखते हैं तो यह स्वागत-योग्य है। एक-दूसरे के अनुभवों से सीखने और मतदाताओं के विश्वास को मजबूत करने से लोकतंत्र मजबूत होता है।

ट्वीटर टॉक

मोदी सरकार सीमावर्ती क्षेत्रों में आवागमन को सुगम बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी दिशा में आज केंद्रीय कैबिनेट ने 3,590.73 करोड़ की लागत से छक-22 के 82.578 किमी लंबे मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी-सोनबरसा खंड को 4-लेन करने की मंजूरी दी।

-अमित शाह

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर आज मुझे कोटा और इटावा के सुल्तानपुर की माताओं, बहनों और वहां के निवासियों से बातचीत करने का मौका मिला। इस दौरान, इलाके के निवासियों को कई विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया गया।

-ओम बिरला

श्रीगंगानगर के पदमपुर और घड़साना से आ रही तस्वीरें सिर्फ़ एक ज़िले की कहानी नहीं हैं, बल्कि पूरे राजस्थान के लिए एक चेतावनी हैं। यहां नहरों में समय पर पानी न पहुंचने की वजह से किसान अपनी ही मूंग की फ़सल खेतों में जोतने को मजबूर हैं।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

उजाले के दीप

गुजरात के कांति और शांतिशाह जुड़वां भाई थे। दोनों की दृष्टि कमजोर थी। किशोरवय में दोनों भाइयों की नेत्रज्योति जाती रही। उनके बड़े सहोदर ने दोनों को वडोदरा स्थित नेत्रहीनों के स्कूल में ब्रेल लिपि सीखने की सलाह दी। उसके बाद वे दोनों बंबई के वर्ली इलाके में स्थित डुग्गन ब्रेल प्रेस के अहाते में रहने लगे। पहले उन्होंने ब्रेल पुस्तकों का एक चल पुस्तकालय स्थापित किया, उसके बाद सन 1947 में उन्होंने 'दीपक' नाम से एक ब्रेल पत्र का प्रकाशन शुरू किया। वे ऐसे पहले प्रकाशक थे जिन्होंने भारत के नेत्रहीनों के लिए ब्रेल पत्र छापने का काम किया। उनके मिशन से प्रभावित होकर न्यूयार्क की एक धर्मार्थ फाउंडेशन ने उन्हें एक डुप्लीकेटर भेंट किया। फिर 'दीपक' गुजराती के साथ हिंदी में भी निकलने लगा। उन्होंने अनेक पुस्तकों का ब्रेल में रूपांतरण किया। सन 1958 में उन्होंने ब्रेल प्रेस एसोसिएशन की स्थापना की, जिसमें सारा काम नेत्रहीन ही करते थे। नेत्रहीनों में साहित्य व शिक्षा के प्रसार हेतु उनको अनेक सम्मानों से विभूषित किया गया। उनके काम पर एक फिल्म भी दूरदर्शन पर प्रसारित की गई।

सामयिक

देश की सियासत पर अपराधी आचरण हावी

बाल मुकुंद ओझा

मोबाइल : 9414441218

सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत एक ताज़ा रिपोर्ट का अवलोकन करें तो पाएंगे देश की राजनीति पर आज भी अपराधी आचरण वाले लोगों का कब्ज़ा बदस्तूर जारी है। देश की सर्वोच्च अदालत में पेश की गई रिपोर्ट के मुताबिक लोकसभा और राज्यसभा के 776 सदस्यों में 326 के खिलाफ आपराधिक मामले हैं। इनमें 210 गंभीर मामले हैं। रिपोर्ट में 14 मुख्यमंत्रियों द्वारा भी आपराधिक मामले घोषित करने की जानकारी दी गई है। सांसद विधायकों के 4192 मामले लंबित हैं। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में सीनियर वकील विजय हंसारिया ने रिपोर्ट पेश की है। हंसारिया को इस मामले में कोर्ट सलाहकार बनाया गया है। देश की सियासत में नेताओं और अपराध का चोली-दामन का साथ रहा है। देश की सियासत में अपराधिक प्रवृति वाले लोगों का आना जाना जारी है। ये पहले अपराध की दुनिया में सिक्का जमाते हैं फिर पार्षद, विधायक लेकर सांसद तक निर्वाचित हो जाते हैं। ऐसे में सवाल है कि आखिर राजनीति में अपराधियों की हिस्सेदारी कहां तक पहुंच चुकी है। देश में ऐसी कोई भी राजनीतिक पार्टी नहीं, जो पूरी तरह से दागी मुक्त हो।

यानी उनके किसी भी एक नेता पर अपराध के मामले दर्ज नहीं हों। पिछले 79 सालों में जिस तरह हमारी राजनीति का अपराधीकरण हुआ है और जिस तरह देश में आपराधिक तत्वों की ताकत बढ़ी है, वह जनतंत्र में हमारी आस्था को कमजोर बनाने वाली बात है। राजनीतिक दलों द्वारा अपराधियों को शह देना, जनता द्वारा वोट देकर उन्हें स्वीकृति और सम्मान देना और फिर कानूनी प्रक्रिया की कछुआ चाल, यह सब मिलकर हमारी जनतांत्रिक व्यवस्था और जनतंत्र के प्रति हमारी निष्ठा, दोनों, को सवालों के घेरे में खड़ा कर देते हैं। राजनीति में शुचिता को लेकर ऊपरी तौर पर सभी सियासी दल सहमत है मगर व्यवहार में उनकी कथनी और करनी में भारी अंतर है। लगभग सभी दल चुनाव जीतने के लिए ऐसे उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में उतारते है जो बाहुबली होने के साथ आपराधिक आचरण वाले है। नेताओं के खिलाफ अदालती मुकदमें कोई नयी बात नहीं है। आजादी के बाद से ही नेताओं को विभिन्न धाराओं में दर्ज मुकदमों का सामना करना पड़ रहा है। पिछले दो दशकों में ऐसे मामलों में यकायक ही तेजी आयी। दर्ज मुकदमों में हत्या, हत्या के प्रयास, सरकारी धन का दुरूपयोग, भ्रष्टाचार, बलात्कार जैसे गंभीर प्रकृति के मुकदमें भी शामिल है। वर्षों से इन मुकदमों का फैसला नहीं होने से हमारी लोकतान्त्रिक प्रणाली पर सवाल उठते रहे है। लम्बे मुकदमें चलने से सबूत मिलने में काफी परेशानी होती है और अंततोगत्वा आरोपी बरी हो जाते है। सुप्रीम अदालत यदि ऐसे मुकदमों के शीघ्र निस्तारण के लिए कोई सख्त कदम उठाये तो पीड़ितों को न्याय मिल पायेगा।

आज लोकतंत्र की दुहाई देने वाले नेताओं और सियासी पार्टियों के नापाक गठजोड़ से जनता जनार्दन को जागरूक होने की जरुरत है। अपराधियों को नेताओं का समर्थन हो या नेताओं की अपराधियों को कानून के शिकंजे से बचाने की कोशिश, आखिर राजनैतिक दलों पर अपराधियों का ये कैसा असर है। भारतीय लोकतंत्र में अपराधी इतने महत्वपूर्ण हो गए हैं कि कोई भी राजनीतिक दल उन्हें नजरअंदाज नहीं कर पा रहा। हालात यहाँ तक पहुँच गए है कि पार्टियाँ उन्हें नहीं चुनती बल्कि वे चुनते हैं कि उन्हें किस पार्टी से लड़ना है।

पिछले सालों में देश में जिस तरह हमारी राजनीति का अपराधीकरण हुआ है और आपराधिक तत्वों की ताकत बढ़ी है, वह जनतंत्र में हमारी आस्था को कमजोर बनाने वाली बात है। राजनीतिक दलों द्वारा अपराधियों को शह देना, जनता द्वारा वोट देकर उन्हें स्वीकृति और सम्मान देना और फिर कानूनी प्रक्रिया की कछुआ चाल, यह सब मिलकर हमारी जनतांत्रिक व्यवस्था और जनतंत्र के प्रति हमारी निष्ठा, दोनों, को सवालों के घेरे में खड़ा कर देते हैं। राजनीति का अपराधीकरण पर हो रही चर्चाओं में पक्ष और विपक्ष के अलग अलग गुट बन जाते है जो इस नापाक गठजोड़ को तोड़ने के बजाय एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाकर अपने हित साधने में लगे रहते है। इससे सार्थक चर्चा नहीं हो पाती और पूरा समय गंदे बोलों के बीच समाप्त हो जाता है। लगता है इन चर्चाओं में भाग लेने के लिए ऐसे लोगों को बुलाया जाता है जो अपने निम्न स्तरीय बयानों के लिए जाने जाते है।

आज लोकतंत्र की दुहाई देने वाले नेताओं और सियासी पार्टियों के नापाक गठजोड़ से जनता जनार्दन को जागरूक होने की जरुरत है। अपराधियों को नेताओं का समर्थन हो या नेताओं की अपराधियों को कानून के शिकंजे से बचाने की कोशिश, आखिर राजनैतिक दलों पर अपराधियों का ये कैसा असर है। भारतीय लोकतंत्र में अपराधी इतने महत्वपूर्ण हो गए हैं कि कोई भी राजनीतिक दल उन्हें नजरअंदाज नहीं कर पा रहा। हालात यहाँ तक पहुँच गए है कि पार्टियाँ उन्हें नहीं चुनती बल्कि वे चुनते हैं कि उन्हें किस पार्टी से लड़ना है। उनके इसी बल को देखकर उन्हें बाहुबली का नाम मिला है। कभी राजनीतिज्ञ अपराधियों का अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करते थे अब अपराधियों ने दूसरे को लाभ पहुँचाने के बदले खुद ही कमान संभाल ली है।

आखिर क्यों सरकार इस दिशा में कुछ कर नहीं रही? और विपक्ष भी क्यों चुप है इस मामले में? क्या इसलिए कि सबके दामन पर दाग है? क्या इसलिए कि बाहुबल, धनबल की राजनीति सबको रास आती है? ईमानदार राजनीति का तकाजा है कि राजनीति को आपराधिक तत्वों से मुक्त कराने की प्रक्रिया तत्काल शुरू हो न्याय-व्यवस्था में बदलाव लाकर राजनीति के अपराधियों के मामले निश्चित समय-सीमा में निपटाये जाएं।

नजरिया

अक्षय ऊर्जा दिवस पर विशेष

भारत के ऊर्जा भविष्य की नई तस्वीर

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

पृथ्वी पर ऊर्जा के परम्परागत साधन बहुत सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं, ऐसे में खतरा मंडरा रहा है कि यदि ऊर्जा के इन पारम्परिक स्रोतों का इसी प्रकार दोहन किया जाता रहा तो इन परम्परागत स्रोतों के समाप्त होने पर गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाएगी। यही कारण है कि पूरी दुनिया में गैर परम्परागत ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने की जरूरत महसूस की जाने लगी और इसी कारण अक्षय ऊर्जा स्रोतों से ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति करने के प्रयास शुरू हुए। अक्षय का अर्थ है, जिसका कभी क्षय न हो अर्थात अक्षय ऊर्जा वास्तव में ऊर्जा का असीम और अनंत विकल्प है और आज के समय में यह किसी भी राष्ट्र के अक्षय विकास का प्रमुख स्तंभ भी है। पिछले कुछ वर्षों से पर्यावरणीय चिंताओं को देखते हुए ऐसी ऊर्जा तथा तकनीकें विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिनसे ग्लोबल वार्मिंग की विकराल होती समस्या से दुनिया को कुछ राहत मिल सके। किसी भी राष्ट्र को विकसित बनाने के लिए आज प्रदूषणरहित अक्षय ऊर्जा स्रोतों का समुचित उपयोग किए जाने की आवश्यकता भी है। देश में अक्षय ऊर्जा के विकास और उपयोग को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए ही वर्ष 2004 से हर साल 20 अगस्त को अक्षय ऊर्जा दिवस' भी मनाया जाता है।

आज न केवल भारत में बल्कि समूची दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। चर्चित पुस्तक प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार इन गंभीर समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ही एक ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगी लेकिन अक्षय ऊर्जा की राह में भी कई चुनौतियां मुंह बाये सामने खड़ी हैं। अक्षय ऊर्जा उत्पादन की देशभर में कई छोटी-छोटी इकाईयां हैं, जिन्हें एक ग्रिड में लाना बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य है। इससे बिजली की गुणवत्ता प्रभावित होती है। भारत में अक्षय ऊर्जा के विविध स्रोतों का अपार भंडार मौजूद है लेकिन इनसे ऊर्जा उत्पादन करने वाले अधिकांश उपकरण विदेशों से आयात किए जाते हैं। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के अनुसार, कुछ साल पहले सौर ऊर्जा के लिए करीब 90 प्रतिशत उपकरण विदेशों से आयात किए गए थे, जिससे बिजली उत्पादन की लागत काफी बढ़ गई। अब भी भारत की सौर सेल और मॉड्यूल की जरूरत का अधिकांश हिस्सा आयात से ही पूरा हो रहा है। हालांकि हाल के वर्षों में एएलएमएम नियम और पीएलआई स्कीम के कारण यह निर्भरता घट रही है। 2023-24 में चीन से सौर सेल्स का 53 प्रतिशत और मॉड्यूल्स का 63 प्रतिशत भारत में आया। देश में ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर भी तेजी से बढ़ रहा है। देश में कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता में अब बड़ा हिस्सा अक्षय ऊर्जा से प्राप्त हो रहा है, जिसमें सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बायो-पावर और छोटे हाइड्रो प्रोजेक्टस शामिल हैं। इसके अतिरिक्त अधिक बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं से तथा परमाणु ऊर्जा से भी अक्षय ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है। कुल बिजली उत्पादन में अब अक्षय ऊर्जा का हिस्सा अब लगातार बढ़ रहा है, जो भारत को दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल करता है। भारत में ऊर्जा खपत भी तेजी से बढ़ रही है। अंतराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) का अनुमान है कि वर्ष 2040 तक भारत में ऊर्जा की कुल मांग वर्तमान की तुलना में लगभग दोगुनी हो जाएगी। विशेषकर बिजली तथा ईंधन के रूप में उपभोग की जा रही ऊर्जा की मांग घरेलू एवं कृषि क्षेत्र के अलावा औद्योगिक क्षेत्रों में भी लगातार बढ़ रही है। औद्योगिक क्षेत्रों में ही बिजली तथा पैट्रोलियम जैसे ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्रोतों का लगभग 55 प्रतिशत उपभोग किया जाता है।

भारत में अब ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, स्मार्ट ग्रिड, बैटरी स्टोरेज और इलैक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे कदम भी तेजी से आगे बढ़ाए जा रहे हैं, जो अक्षय ऊर्जा को व्यावहारिक और टिकाऊ बनाएंगे। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत वर्ष 2030 तक 5 मिलियन मीट्रिक टन उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है, जिससे भारत न केवल अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करेगा बल्कि निर्यातक देश भी बन सकेगा। सही मायने में अक्षय ऊर्जा ही आज भारत में विभिन्न रूपों में ऊर्जा की जरूरतों का प्रमुख विकल्प है, जो पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ टिकाऊ भी है।

हम जिस बिजली से अपने घरों, दुकानों या दफ्तरों को रोशन करते हैं, जिस बिजली या पैट्रोलियम इत्यादि ऊर्जा के अन्य स्रोतों का इस्तेमाल कर खेती-बाड़ी या उद्योग-धंधों के जरिये देश को विकास के पथ पर अग्रसर किया जाता है, क्या हमने कभी सोचा है कि वह बिजली या ऊर्जा के अन्य स्रोत हमें कितनी बड़ी कीमत पर हासिल होते हैं? यह कीमत न केवल आर्थिक रूप से बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी धरती पर विद्यमान हर प्राणी पर बहुत भारी पड़ती है। भारत में थर्मल पावर स्टेशनों में बिजली पैदा करने के लिए प्रतिदिन लगभग 18 लाख टन कोयले की खपत होती है। आज भी देश की लगभग 70 प्रतिशत से अधिक बिजली कोयले से ही पैदा होती है, शेष बिजली अक्षय ऊर्जा स्रोतों, जल, गैस व परमाणु ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त होती है।

दुनियाभर में ऊर्जा क्षेत्र में लगभग 75 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन बिजली उत्पादन से ही होता है। यही कारण है कि अब सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा स्रोतों को विशेष महत्व दिया जाने लगा है। अंतर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, यदि अक्षय ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता पर विशेष ध्यान दिया जाए तो वर्ष 2050 तक वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को 70 प्रतिशत तक घटाया जा सकता है। भारत ने भी 2030 तक 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता हासिल करने और नेट जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य वर्ष 2070 तक प्राप्त करने का संकल्प लिया है। अक्षय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देने से हमारी ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच का अंतर कम होता जाएगा और इससे प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सामाजिक जीवन स्तर में भी सुधार होगा।

भारत में अब ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, स्मार्ट ग्रिड, बैटरी स्टोरेज और इलैक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे कदम भी तेजी से आगे बढ़ाए जा रहे हैं, जो अक्षय ऊर्जा को व्यावहारिक और टिकाऊ बनाएंगे। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत वर्ष 2030 तक 5 मिलियन मीट्रिक टन उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है, जिससे भारत न केवल अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करेगा बल्कि निर्यातक देश भी बन सकेगा। सही मायने में अक्षय ऊर्जा ही आज भारत में विभिन्न रूपों में ऊर्जा की जरूरतों का प्रमुख विकल्प है, जो पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ टिकाऊ भी है। भारत धीरे-धीरे ही सही, अब इस दिशा में आगे बढ़ रहा है और आज समय है कि हम आर्थिक बदहाली और भारी पर्यावरणीय विनाश की कीमत पर ताप, जल एवं परमाणु ऊर्जा जैसे पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भर रहने के बजाय अपेक्षाकृत बेहद सस्ते और कार्बन रहित पर्यावरण हितैषी ऊर्जा स्रोतों के व्यापक स्तर पर विकास के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ें। साथ ही हमें ऊर्जा की बचत की आदतें भी अपनानी होंगी क्योंकि ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग ही हमें सुरक्षित, समृद्ध और स्वच्छ भविष्य की ओर ले जाएगा।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

प्रधानमंत्री मोदी चाहते हैं कि रहमान की 'भारत यात्रा यादगार' हो : भारतीय उच्चायुक्त

ढाका/भाषा। बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चाहते हैं कि उनके बांग्लादेशी समकक्ष तारिक रहमान की प्रस्तावित ''भारत यात्रा यादगार'' हो। साथ ही उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं के बीच मजबूत होते संबंधों से अंततः भारत और बांग्लादेश के लोगों तथा कारोबारियों को लाभ होगा। उच्चायुक्त की यह टिप्पणी मंगलवार को ऐसे समय आई है, जब 12-13 सितंबर को होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए रहमान की नई दिल्ली की प्रस्तावित यात्रा को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। ढाका द्वारा अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग को लेकर दोनों देशों के बीच संबंधों में एक बार फिर तनाव पैदा हुआ है।

समाचार पोर्टल 'टीबीएसन्यूज डॉट नेट' की खबर के मुताबिक, ढाका में मंगलवार को भारतीय उच्चायोग की ओर से प्रमुख बांग्लादेशी कारोबारी नेताओं और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की यात्रा पर आए प्रतिनिधिमंडल के सम्मान में आयोजित स्वागत समारोह में त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने संदेश दिया है कि दोनों नेताओं को मुलाकात करनी चाहिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि भारत यात्रा के दौरान रहमान का उचित स्वागत किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी ने सिर्फ एक बात कही। हमें मिलना चाहिए। और आप मेरी ओर से उन्हें बता सकते हैं कि भारत के प्रधानमंत्री ने आपको आश्वासन दिया है कि जब बांग्लादेश के माननीय प्रधानमंत्री भारत आएंगे, तो उनका वैसा ही सम्मानजनक स्वागत किया जाएगा, जिसके वह हकदार हैं।''

त्रिवेदी ने कहा कि मोदी चाहते हैं कि रहमान की ''भारत यात्रा यादगार'' हो। उन्होंने जोर दिया कि दोनों नेताओं के बीच मजबूत संपर्क और संवाद से दोनों पड़ोसी देशों को लाभ होगा। उन्होंने कहा, ''अंततः इसका लाभ लोगों और कारोबारियों को मिलेगा। दुनिया भर के कारोबारी इस दूरी को पाटने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।''

त्रिवेदी ने कहा कि दोनों देशों को अतीत के मतभेदों को दूर करते हुए भविष्य की ओर देखना चाहिए। उन्होंने कहा, ''मैं यह नहीं कह रहा कि आप अतीत को भूल जाएं, लेकिन अतीत को ध्यान में रखते हुए पुराने मतभेदों को सुलझाएं और आगे बढ़ें। ठहराव की स्थिति में न रहें।''

अपने जीवन के बारे में लिखना आसान नहीं था : सोनिया

न्यूयॉर्क/भाषा। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने अपनी आगामी आत्मकथा के बारे में कहा कि अपने जीवन के बारे में लिखना उनके लिए आसान नहीं था क्योंकि इसके लिए उन्हें वर्षों से अपने दिल में संजोकर रखे गए अनुभवों और भावनाओं को उजागर करना पड़ा। उन्होंने यह भी कहा कि उनके जीवन में गम का पहाड़ टूटने और अपनों को खोने का दर्द ही उन्हें राजनीति में लेकर आया। सोनिया की 544 पन्नों की 'बिलॉन्गिंग : ए जर्नी ऑफ लव' शीर्षक वाली आत्मकथा नवंबर में प्रकाशित होगी। बीते मंगलवार को यहां प्रकाशक अल्फ्रेड ए. नॉफ की ओर से जारी एक बयान में सोनिया गांधी ने कहा, ''गम का पहाड़ टूटने और अपनों को खोने के दर्द ने मुझे राजनीति की दुनिया में ला दिया। तब तक मैं अपनी निजता की पूरी तरह रक्षा करती थी।''

उन्होंने कहा, ''अपने जीवन के बारे में लिखना मेरे लिए आसान नहीं था। इसका मतलब था ऐसी बातों और उन पलों तथा अनुभवों को साझा करना, जिन्हें मैंने हमेशा अपने दिल में संजोकर रखा था।'' इस आत्मकथा को प्रकाशन संस्था नॉफ 10 नवंबर को हार्डकवर और ई-बुक संस्करण में जारी करेगी। इसका ऑडियो संस्करण पेंगुइन रैंडम हाउस द्वारा प्रकाशित किया जाएगा। प्रकाशक ने बताया कि पुस्तक की पहली एक लाख प्रतियों की छपाई की घोषणा की गई है। इस प्रकाशन संस्था का मुख्यालय न्यूयॉर्क में स्थित है।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा कि वह चाहती हैं कि यह पुस्तक उनके जीवन में आयी खुशियों और गहरी निराशा से भरी उनकी भावनात्मक यात्रा का प्रमाण बने। उन्होंने कहा, ''मेरे परिवार के बारे में बहुत कुछ लिखा गया है, लेकिन बहुत कम विवरण ऐसे रहे हैं जो उनके फैसलों के पीछे की वास्तविक भावनाओं और वजहों, उनके कार्यों और उनकी बेहद मानवीय कमजोरियों की सच्चाई तक पहुंच पाए हों।''

उन्होंने कहा कि यह पुस्तक कई ''मायनों में'' उनके परिवार की ''मानवीयता'' को समर्पित है। आत्मकथा में सोनिया गांधी के युद्धोत्तर इटली में उनके बचपन से लेकर भारत में उनके जीवन तक का वर्णन किया गया है, जहां उन्होंने राजीव गांधी से विवाह किया और उस समय देश की प्रधानमंत्री रहीं इंदिरा गांधी की बहू बनीं। सोनिया ने कहा कि राजनीति से धीरे-धीरे दूरी बनाने के बाद जब उन्होंने अपने जीवन को पीछे मुड़कर देखा, तो उन्हें एहसास हुआ कि उनके जीवन के हर पड़ाव को जोड़ने वाली कड़ी प्रेम और निष्ठा रही है। उन्होंने अपनी इस यात्रा को इटली के छोटे शहर में अपने बचपन की सरलता से लेकर भारत में बिताए वर्षों की ''जटिलता'' तक की यात्रा बताया। आत्मकथा की शुरुआत 1965 में इंग्लैंड के कैंब्रिज से होती है, जहां 19 वर्षीय छात्रा सोनिया माइनो को राजीव गांधी से पहली ही नजर में प्यार हो गया और बाद में दोनों ने शादी कर ली। इस पुस्तक में इंदिरा गांधी से उनकी पहली मुलाकात, हिंदी सीखने के उनके प्रयास, साड़ी पहनना और भारतीय व्यंजनों का आनंद लेना तथा गांधी परिवार पर आए दुखों के पहाड़ का भी उल्लेख है। राजीव गांधी के छोटे भाई संजय गांधी की विमान दुर्घटना में मौत के बाद 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या हुई।

मां की हत्या के बाद राजीव गांधी प्रधानमंत्री बने और इसके सात साल बाद चुनाव प्रचार के दौरान उनकी भी हत्या कर दी गई। आत्मकथा में यह भी बताया गया है कि कई वर्षों तक राजनीति में आने के दबाव को टालने के बाद सोनिया गांधी ने आखिरकार सक्रिय राजनीति में कदम रखा। इसके अलावा, 2004 में कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन के चुनाव जीतने के बाद प्रधानमंत्री पद स्वीकार करने से उनके इनकार का भी उल्लेख है।

गांधी ने कहा कि उनकी कहानी पाठकों को भारत में पिछले छह दशकों के दौरान हुए सामाजिक और राजनीतिक बदलावों को देखने का एक अनूठा नजरिया भी देती है। उन्होंने भारत को ''खूबसूरत देश'' बताया, जिसे वह ''अपना मानती'' हैं।

नॉफ ने इस आत्मकथा को गांधी के जीवन, प्रेम, परिवार और भारत से उनके जुड़ाव की कहानी बताया है। प्रकाशक के अनुसार, यह पुस्तक भारत के स्वतंत्रता के बाद उथल-पुथल भरे इतिहास और वर्तमान ''राजनीतिक संघर्षों'' को एक अलग दृष्टिकोण से प्रस्तुत करती है।

'द रेवोल्यूशनरीज' हिंदी समेत 6 भाषाओं में स्ट्रीम होगी सीरीज

मुंबई/एजेन्सी

निखिल आडवाणी की पीरियड ड्रामा सीरीज 'द रेवोल्यूशनरीज' दुनियाभर में रिलीज होने के लिए तैयार है। मंगलवार को मेकर्स ने सीरीज की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए सीरीज के किरदारों को परिचय करवाने के साथ-साथ बताया है कि सीरीज 'द रेवोल्यूशनरीज' 11 सितंबर से अमेजन प्राइम वीडियो पर आएगी। ये सीरीज हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और बंगाली में होगी। साथ में इंग्लिश और कई इंटरनेशनल भाषाओं के सबटाइटल्स भी मिलेंगे। निखिल आडवाणी द्वारा निर्देशित सीरीज को मोनिशा आडवाणी और मधु भोजवानी ने एम्मे एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। यह सीरीज संजीव सान्याल की पुस्तक 'द रेवोल्यूशनरीज:द अदर स्टोरी ऑफ हाउ इंडिया वॉन इट्स फ्रिडम' पर आधारित है। यह सीरीज युवा क्रांतिकारियों के साहस, बलिदान और ब्रिटिश राज के खिलाफ उनके उग्र विद्रोह की गाथाओं पर केंद्रित है, जो 1857 के विद्रोह के बाद के कालखंड और भारत के स्वतंत्रता संग्राम के कम चर्चित किंतु प्रभावशाली स्वाधीनता सेनानियों के संघर्षों को

दर्शाती है।

सीरीज की कहानी भारत की आजादी की अनसुनी कहानियों पर आधारित है, जिसमें 4 निडर नौजवान राश बिहारी बोस (भुवन बाम), सचिन्द्र नाथ सान्याल (रोहित सराफ), प्रतिभा लाहिरी (प्रतिभा रांटा) और बाघा जतिन (गुरफतेह पीरजादा) क्रांतिकारियों की कहानी दिखाई गई है।इन युवा क्रांतिकारियों ने ब्रिटिश साम्राज्य जैसी बड़ी ताकत के खिलाफ आवाज उठाने की हिम्मत की थी। 1857 की क्रांति के बाद जन्मे ये युवा क्रांतिकारी न्याय, आजादी और स्वतंत्रता में अटूट विश्वास रखते थे, जैसे-जैसे ये हथियारबंद संघर्ष के खतरनाक रास्ते पर चलते हैं, सीरीज में उनकी बहादुरी, कुर्बानियां, दोस्ती, धोखे और वो बड़े फैसले दिखाए गए हैं जिन्होंने भारत की आजादी की लड़ाई के एक अहम अध्याय को आकार दिया।

सीरीज की स्क्रिप्ट संयुता चावला शेख, अक्षिता वाधवाना, शोभित नारंग और रुत्वी मेहता ने लिखी है। इसमें दमदार कलाकारों की टोली शामिल हैं, जिनमें भुवन बाम, रोहित सराफ, प्रतिभा रांटा और गुरफतेह पीरजादा लीड रोल में हैं। वहीं जेसन शाह, पाओली दाम और तोता रॉय चौधरी भी अहम किरदार निभा रहे हैं।

'काला हिरण' फिल्म का विवाद पहुंचा सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट के फैसले को अमित जानी ने दी चुनौती

नई दिल्ली/एजेन्सी

सलमान खान और फिल्म 'काला हिरण: द बैटल फॉर लेगसी' के मेकर्स के बीच चल रहा विवाद अब दिल्ली हाईकोर्ट से निकलकर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने 27 जुलाई को फिल्म के टीजर और उससे जुड़े प्रमोशनल कंटेंट को सोशल मीडिया से हटाने का निर्देश दिया था। इस फैसले के बाद फिल्म के प्रोड्यूसर अमित जानी ने सुप्रीम कोर्ट का रुख करने की बात कही थी। अब इसी मामले में उन्होंने हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। मेकर्स का कहना है कि दिल्ली हाईकोर्ट का आदेश उनकी अभिव्यक्ति की आजादी पर रोक लगाता है। अमित जानी ने सुप्रीम कोर्ट से दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने की मांग की है। उनका पक्ष है कि फिल्म बनाना और किसी सार्वजनिक घटना को अपनी कहानी के नजरिए से दिखाना अभिव्यक्ति की आजादी के दायरे में आता है।

इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट में भी मेकर्स की ओर से यही दलील दी गई थी कि टीजर में कहीं सीधे तौर पर सलमान खान का नाम नहीं लिया गया है। उनके वकील ने कहा था कि यह केवल एक टीजर है और इसमें किसी तरह का डीपफेक या आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से बनाया गया वीडियो भी इस्तेमाल नहीं किया गया है। यह पूरा मामला सलमान खान की उस याचिका से शुरू हुआ, जिसमें उन्होंने फिल्म के जरिए अपने नाम, चेहरे और पहचान के कथित इस्तेमाल पर आपत्ति जताई थी। उनका कहना है कि फिल्म उनके 1998 के काला हिरण मामले से जुड़ी घटनाओं पर आधारित है और इसमें उनकी छवि को इस तरह दिखाया गया है, जिससे लोगों के बीच उनके बारे में गलत धारणा बन सकती है।

सलमान ने इसे अपने पर्सनैलिटी राइट्स का उल्लंघन बताया है। जून 2026 में दिल्ली हाईकोर्ट ने उनकी याचिका पर फिल्म के मेकर्स को नोटिस भी जारी किया था।

विवाद उस समय और बढ़ गया जब

फिल्म का टीजर सामने आया। सलमान की ओर से दायर याचिका में कहा गया कि टीजर में दिखाए गए किरदार का चेहरा उनसे काफी मिलता-जुलता है। फिल्म में किरदार को सलमान के साथ जोड़ने के लिए ब्रेसलेट जैसी चीजों का इस्तेमाल किया गया है। टीजर में ऐसे कई संकेत हैं, जिनसे दर्शक आसानी से इसे सलमान खान और उनके पुराने काला हिरण मामले से जोड़ सकते हैं।

सलमान के वकील ने अदालत में कहा था कि चार मामलों में से तीन में सलमान को बरी किया जा चुका है जबकि एक मामले में सजा पर रोक लगी हुई है। इसके बावजूद फिल्म में उन्हें एक ऐसे तरीके से दिखाया जा रहा है, जिससे उनकी छवि प्रभावित हो सकती है। सलमान के खिलाफ चल रहे कुछ मामले अभी अदालतों में लंबित हैं, इसलिए उन पर आधारित बताई जा रही कहानी से उनकी निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार प्रभावित हो सकता है।

27 जुलाई को दिल्ली हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए फिल्म के टीजर और उससे जुड़े ऑनलाइन प्रमोशनल कंटेंट को हटाने का आदेश दिया। अदालत ने सोशल मीडिया और वीडियो प्लेटफॉर्म पर मौजूद लिंक हटाने के निर्देश दिए। कोर्ट ने फिल्म के प्रोड्यूसर अमित जानी के रवैये पर भी नाराजगी जताई थी। दिल्ली हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद अमित जानी ने साफ किया था कि वह मामले को सुप्रीम कोर्ट तक ले जाएंगे। उन्होंने फिल्म को लेकर अपना पक्ष रखने और इसे रिलीज करने की कोशिश जारी रखने की बात कही थी। अब उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर दी है।

दिशा पाटनी बनीं 'आवारापन 2' की पहली पसंद

मुंबई/एजेन्सी

अगर हाल के दिनों में सिनेमाघरों में किसी फिल्म ने सबसे ज्यादा हलचल मचाई है, तो वह 'आवारापन 2' है। पहली बार इमरान हाशमी और दिशा पाटनी की जोड़ी को एक रोमांटिक ड्रामा में साथ लाने वाली यह फिल्म अपनी शानदार कहानी के साथ-साथ दोनों कलाकारों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री के लिए भी चर्चा में है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इसी बीच निर्माता विशेष भट्ट ने बताया कि उन्होंने दिशा पाटनी को फिल्म की मुख्य अभिनेत्री के तौर पर क्यों चुना। उन्होंने कहा कि दिशा का अब तक का सफर उन्हें इस किरदार के लिए बिल्कुल सही बनाता था। विशेष भट्ट कहते हैं, इमरान और दिशा को स्क्रीन पर साथ देखना दिलचस्प है, क्योंकि मुझे नहीं लगता कि इससे पहले दोनों को एक साथ देखा गया है। दिशा का अपना एक अच्छा काम है। मैंने उन्हें मोहित के साथ 'मलंग' में देखा है। मैं उनसे 2012 या 2013 में मिला था, जब उन्होंने अभी शुरुआत ही की थी। दिशा पाटनी के बारे में विशेष भट्ट का मानना है कि उनमें उनकी खूबसूरती से कहीं ज्यादा है। वह कहते हैं, पिछले कुछ सालों में मुझे हमेशा लगा है कि उनका चेहरा

बहुत आकर्षक है और उनकी अपनी एक खास पर्सनैलिटी है। वह जैसी हैं और हमें इस किरदार के लिए जैसी जरूरत थी, जिस तरह से यह किरदार फिल्म में आगे बढ़ता है, उसके हिसाब से वह इस भूमिका के लिए बिल्कुल सही लग रही थीं। यह एक बहुत ही मॉडर्न और आज के समय से जुड़ा हुआ किरदार है, जो दूसरे देश में रह रहा है। यह किरदार श्रीया सरन जैसा नहीं है। दोनों के बीच जानबूझकर एक अलग तरह का कॉन्ट्रास्ट रखा गया है। कहीं न कहीं, दिशा पाटनी को फिल्म में लेने का फैसला 'आवारापन 2' के लिए फायदेमंद साबित हुआ है। इससे न सिर्फ फिल्म की विरासत को बनाए रखने में मदद मिली, बल्कि दर्शकों की उम्मीदों पर खरा उतरने में भी मदद मिली। इस साल 'ओ' रोमियो' और 'वेलकम टू द जंगल' जैसी फिल्मों के बाद दिशा पाटनी एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर लकी साबित हुई ।

मेरे लिए अब 'कंप्रेशन सॉक्स' ही हैं फैशन सामंथा रुथ प्रभु

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपने पहले बच्चे के स्वागत की तैयारी में जुटी हुई हैं और इसी बीच उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने बदलते फैशन को लेकर एक ऐसी पोस्ट साझा की, जिसने लोगों का ध्यान खींच लिया। दरअसल, उन्होंने पैरों में पहने जाने वाले कंप्रेशन सॉक्स को ही अपना नया फैशन बता दिया। सामंथा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में उनके पैर सूजे हुए नजर आ रहे हैं और उन्होंने कंप्रेशन सॉक्स पहने हुए है। इसी तस्वीर के साथ सामंथा ने बेहद छोटे लेकिन मजेदार अंदाज में लिखा, ''अब जिसे मैं फैशन कहती हूं- कंप्रेशन सॉक्स।'' दरअसल, आमतौर पर फैशन को कपड़ों, जूतों और गहनों से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन सामंथा ने अपनी मौजूदा स्थिति में आराम देने वाले सॉक्स को ही फैशन का नया नाम दे दिया। गर्भावस्था के दौरान पैरों और पंजों में सूजन की समस्या आम होती है। ऐसे में कंप्रेशन सॉक्स पैरों में आराम देने और ब्लड सुर्कुलेशन को बेहतर बनाए रखने में मदद करते हैं। दरअसल, सामंथा ने जून

2026 में अपनी प्रेग्नेंसी की आधिकारिक पुष्टि की थी। अभिनेत्री और उनके पति फिल्मकार राज निदिमोरु, अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाले हैं। सामंथा ने यह खबर अपनी फिल्म 'मा इंटी बंगाराम' की सफलता के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में साझा की थी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया था कि वह कुछ समय के लिए अभिनय से दूरी बनाएंगी और मातृत्व अवकाश लेंगी।मीडिया से बातचीत में सामंथा ने कहा था कि 'मा इंटी बंगाराम' के बाद उन्हें अपनी मौजूदा स्थिति को देखते हुए थोड़ा ब्रेक लेना पड़ेगा और इसके बाद वह एक और फिल्म के साथ अपने फैंस के बीच वापस लौटेंगी।

कपल की बात करें, तो सामंथा और राज निदिमोरु ने 1 दिसंबर 2025 को शादी की थी। इस शादी में करीबी लोग ही शामिल हुए थे। दोनों की पहली मुलाकात 'द फैमिली मैन 2' के दौरान हुई थी। सामंथा ने इस चर्चित सीरीज में राजी नाम की दमदार भूमिका निभाई थी।

शुरुआत में दोनों का रिश्ता पूरी तरह पेशेवर था।'द फैमिली मैन 2' के बाद सामंथा और राज ने एक बार फिर साथ काम किया। दोनों 'सिटाडेल: हनी बनी' में साथ नजर आए, जो चर्चित वैश्विक 'सिटाडेल' सीरीज का भारतीय संस्करण था। सीरीज को दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली, लेकिन इसके निर्माण के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ने की खबरें सामने आई थीं।

अगर देश से प्यार करना अंधभक्ति है तो मुझे गर्व है : ईशा कोप्पिकर

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर ने उन्हें दिए गए 'अंधभक्त' टैग पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि अगर भारत से प्यार करना और उस पर विश्वास करना 'अंधभक्ति' कहलाता है, तो उन्हें इस लेबल को अपनाने में गर्व है। ईशा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह देशभक्ति, राष्ट्रवाद और देश के लिए कुछ करने की जरूरत पर बात करती नजर आईं। अभिनेत्री ने कहा, ''अगर अपने देश से प्यार करना, भारत पर विश्वास करना और उसकी तरक्की चाहना भक्ति है, तो हां, मुझे भक्त कहिए, अंधभक्त कहिए। लेकिन मेरी भक्ति किसी राजनीतिक पार्टी के लिए नहीं, बल्कि अपने देश, अपने भारत के लिए है। राष्ट्र सबसे पहले है।'' ईशा ने कहा, ''इंसान जहां रहता है, उसे उस जगह का सम्मान करना चाहिए और उसे बेहतर बनाने में अपना योगदान देना चाहिए। सिर्फ यह कह देना कि हमें अपने देश से प्यार है, देशभक्ति नहीं है। असली देशभक्ति तब है, जब कोई व्यक्ति अपने काम से देश को बेहतर बनाने की कोशिश करे।''

अभिनेत्री ने बच्चों का उदाहरण देते हुए आगे कहा, ''दो तरह के बच्चे होते हैं। एक बच्चा ऐसा होता है जो पूरी जिंदगी यह हिसाब लगाता रहता है कि उसके माता-पिता ने उसे क्या दिया और क्या नहीं दिया। वहीं दूसरा बच्चा ऐसा होता है जो माता-पिता से मिलने वाली चीजों को सिर्फ अपने तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उससे अपने माता-पिता की जिंदगी को भी बेहतर बनाने की कोशिश करता है।''ईशा ने कहा, ''दोनों के बीच फर्क सिर्फ परिस्थितियों का नहीं, बल्कि सोच का है। इसी सोच को देश के लिए भी बदलने की जरूरत है। हमें हर समय यह पूछने के बजाय कि देश ने हमें क्या दिया, यह सोचना चाहिए कि हम देश को क्या दे सकते हैं। हमें यह विचार करना चाहिए कि अपने काम और सोच के जरिए भारत के लिए क्या बेहतर किया जा सकता है।''अभिनेत्री ने आगे कहा, ''भारत बदल रहा है और अब समय आ गया है कि लोगों की सोच भी बदले। मेरी लोगों से अपील है कि वह नए भारत के निर्माण का हिस्सा बने। मुझे भक्त कहिए, अंधभक्त कहिए या राष्ट्रवादी कहिए, मैं अपने विचारों को लेकर पीछे नहीं हटूंगी।''वीडियो के आखिर में ईशा ने भारत के प्रति अपने प्यार को दोहराते हुए कहा, ''मैं अपने देश से प्यार करती हूं और भारत पर विश्वास करती हूं। जय हिंद।'' ईशा ने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, अगर भारत से प्यार करना 'अंधभक्ति' है, तो मैं इस पहचान को गर्व से अपनाती हूं। मुझे जो गलत लगता है, उस पर सवाल उठाती हूं और जो सही लगता है, उसकी तारीफ भी करती हूं।

रणनीति बनाता हूं पर अपने फायदे के लिए : मुनव्वर

मुंबई/एजेन्सी

अमेजन प्राइम वीडियो के पॉपुलर रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स 2' के पहले ही राउंड में कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी बाहर हो गए हैं, जिससे कई फैंस और दर्शक हैरान रह गए। शो से बाहर आकर उन्होंने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में बताया कि वह खेल में रणनीति जरूर बनाते हैं लेकिन अपने फायदे के लिए दूसरे लोगों का इस्तेमाल करना उन्हें पसंद नहीं है। उन्होंने अपने खेलने के तरीके और शो को लेकर अपनी सोच खुलकर साझा की है। आईएएनएस से मुनव्वर ने कहा, मैं जिंदगी में भी काफी सोच-समझकर फैसले लेता हूं और रियलिटी शो में भी रणनीति के साथ आगे बढ़ता हूं। दोनों रियलिटी शो में मैंने शुरुआत से कोई खास योजना बनाकर खेल नहीं खेला। मैं परिस्थितियों को समझकर उसके हिसाब से फैसला लेने में भरोसा रखता हूं। जब किसी चुनौती या काम के लिए रणनीति की जरूरत पड़ती है, तभी मैं उस दिशा में सोचता हूं। मुनव्वर ने कहा, ''मैं अपनी बात और अपने खेल पर भरोसा रखता हूं। मैं लोगों के साथ मिलकर खेल सकता हूं लेकिन सिर्फ अपने फायदे के लिए किसी को अपने हिसाब से चलाने की कोशिश नहीं करता। मेरे लिए खेल का मतलब सिर्फ खुद को बचाना या जीत

हासिल करना नहीं है बल्कि इस दौरान दूसरों को बेवजह नुकसान से बचाना भी है।''

अपने खेलने के तरीके को समझाते हुए मुनव्वर ने कहा, अगर मैं किसी व्यक्ति को किसी फैसले के लिए प्रभावित करता हूं, तो मेरी कोशिश रहती है कि उसका फायदा उस व्यक्ति को भी मिले। अगर किसी काम में मुझे 80 प्रतिशत फायदा मिलता है, तो सामने वाले को भी 20 प्रतिशत फायदा मिलना चाहिए। मैं किसी दूसरे व्यक्ति के पूरे हिस्से को अपने फायदे के लिए नहीं लेना चाहता।मुनव्वर ने कहा, ''मैं अपनी वजह से किसी दूसरे व्यक्ति को नुकसान पहुंचाना नहीं चाहता। रणनीति बनाना और किसी के साथ चालाकी करना दो अलग-अलग चीजें हैं। मैं रणनीतिक तरीके से खेलना पसंद करता हूं लेकिन ऐसी रणनीति नहीं अपनाना चाहता जिससे किसी दूसरे प्रतियोगी को बिना वजह नुकसान हो।''ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन में अपने अनुभव को याद करते हुए मुनव्वर ने कहा, ''जब मैं शो में पहुंचा था, तब मेरे पास कोई तय रणनीति नहीं थी। मेरा मकसद सिर्फ खेल को समझना और परिस्थिति के अनुसार आगे बढ़ना था। अगर मैं निर्दोष हूं, तो मेरा काम ट्रेटर को पहचानना और पकड़ना होगा। इसके लिए अगर मुझे कोई जोखिम उठाना पड़े तो मैं पीछे नहीं हटूंगा।'' मुनव्वर ने जल्दी बाहर होने को लेकर भी मजेदार अंदाज में प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, ''मेरे हिसाब से मैंने शो में अपनी असली क्षमता बहुत ज्यादा और बहुत जल्दी दिखा दी। मेरा खेल इतना खुलकर सामने आ गया कि शायद इसी वजह से मुझे शो से बाहर कर दिया गया।''

विप्र लीग के अंतिम चरण में कड़े रहे मुकाबले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। विप्र स्पोर्ट्स क्लब चेन्नई द्वारा आयोजित विप्र प्रीमियर लीग के अंतिम चरण के मुकाबले मैग्ना कॉलेज मैदान ए व बी पर शनिवार को खेले गए। विप्र स्पोर्ट्स क्लब के सचिव कैलाश शर्मा ने बताया कि ए मैदान पर पहला मैच खेतेश्वर टीम का सारस्वत टीम से था। जिसमें खेतेश्वर टीम 8 विकेट से विजयी रही व सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब अशोक सवाई को दिया। दूसरा मैच रावल टीम का सुपर लीजेंड टीम से था जिसमें रावल टीम 6 विकेट से विजयी रही और सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब प्रवीण को मिला। तीसरा मुकाबला काफ़ी रोमांच से भरा आडीगौड का पारीक से था जिसमें आदिगौड टीम 8 रन से विजयी रही और सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब कपिल को दिया।

बी मैदान पर पहला मुकाबला खण्डेलवाल टीम का राजपुरोहित टीम से था जिसमें राजपुरोहित टीम 102 रन से जीत दर्ज की, संदीप सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहा। दूसरा मुकाबला सेवग टीम का श्रीमाली टीम से था जिसने सेवग टीम 113 रन से विजयी रही और कार्तिक सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहा । अंतिम मुकाबला पुष्करणा टीम का दधिमती टीम से था जिसने दधिमती टीम 9 विकेट से विजयी रही, तुषार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहा। आज के सभी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार स्व जसराज व्यास की स्मृति में स्वरूप व्यास द्वारा व पंडित दामोदर विकास गौड़ के द्वारा प्रायोजित किए गए। चेयरमैन चैनराज सेवग ने बताया की क्वार्टर फाइनल मुकाबले 23 अगस्त को मेग्ना कॉलेज ग्राउंड पर 3 मैच और एसआरएफ ग्राउंड पर एक मैच खेला जाएगा।

बाहरी त्याग से अधिक जरूरी है मन की आसक्ति का त्याग : मुनि तीर्थचैतन्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक स्थित एससी शाह भवन में चातुर्मासार्थ विराजित मुनि तीर्थचैतन्य विजयजी म.सा. ने बुधवार को प्रवचन में आत्मा के अनंत भवभ्रमण के कारणों पर चिंतन कराते हुए कहा कि मनुष्य ने अनादिकाल से देव, गुरु, धर्म और शास्त्र की शरण लेकर अनेक प्रकार की आराधनाएं की हैं। चारित्र का पालन, शुद्ध आचरण और नौ तत्वों का अध्ययन करने के बावजूद यदि चारों गतियों का संसार-भ्रमण समाप्त नहीं हुआ तो आत्मचिंतन आवश्यक है कि हमारी साधना में ऐसी कौन-सी कमी रह गई, जिसके कारण उसका अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं हुआ। मुनिश्री ने कहा कि अनंत जन्मों और विविध प्रकार की मृत्युओं का अनुभव करने के बाद भी यदि आत्मा को समाधान नहीं मिला और भवभ्रमण जारी है, तो केवल भवभ्रमण समाप्त करने की इच्छा पर्याप्त नहीं है। उसके मूल कारण और निदान तक पहुंचना होगा। सिंहावलोकन न्याय का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जैसे व्यक्ति पीछे मुड़कर अपने मार्ग को देखता है, वैसे ही हमें भी आत्मावलोकन कर विचार करना चाहिए कि अनंत जन्मों के बाद भी संसार में क्यों भटक रहे हैं और हमारी भूल कहां हुई। उन्होंने कहा कि भगवान और गुरु ने मार्ग दिखाया है, लेकिन केवल मार्ग जान लेना पर्याप्त नहीं; उस पर चलना आवश्यक है। धर्म को सुनने-समझने के साथ उसे जीवन में उतारने का पुरुषार्थ ही आराधना को सार्थक बनाता है। साधना में आसक्ति के खतरे पर

मुनिश्री ने शिवभूति का उदाहरण देते हुए कहा कि संसार, परिवार और संपत्ति का त्याग करने के बाद भी यदि किसी एक वस्तु के प्रति मोह रह जाए तो वही साधना में बाधक बन सकता है। इसलिए बाहरी त्याग के साथ मन की आसक्ति का त्याग भी आवश्यक है।

उन्होंने श्रद्धालुओं को गलत व्यक्ति, वस्तु, विचार और वृत्ति से सावधान रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि जो विचार आता और चला जाता है, वह विचार है; लेकिन जो स्थायी होकर परिणाम का रूप ले लेता है, वह वृत्ति बन जाता है। इसलिए गलत विचार को शुरुआत में ही रोकना जरूरी है। मुनिश्री ने कहा कि जो मन को क्लेश से भरता है, वही संसार है और जो मन को क्लेश से रहित एवं निर्मल बनाता है, वही मोक्ष की दिशा है। उन्होंने कहा कि संसार और मोक्ष का अंतर बाहर नहीं, मन के भीतर है। मन को राग-द्वेष, मोह और कषाय से मुक्त कर निर्मल बनाना ही वास्तविक साधना तथा आत्मकल्याण का मार्ग है।

पुण्य की भी होती है एक्सपायरी डेट, मन और आयुष्य का भी नहीं भरोसा : आचार्य कुलबोधिसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

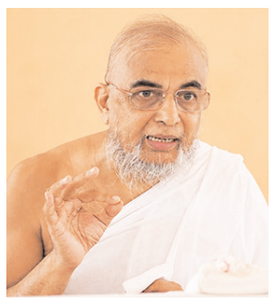

चेन्नई। श्री वेपेरी जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री कुलबोधिसूरीश्वरजी म. ने बुधवार को श्री भुवनभानु सूरि प्रवचन मंडप में 'शांत सुधारस' ग्रंथ की भावपूर्ण विवेचना करते हुए कहा कि मनोस्थिति ठीक हो जाए तो जीवन में सुख, शांति और प्रसन्नता सहज उपलब्ध हो जाती है। मन को भावित एवं संस्कारित बनाने के लिए विनय विजयजी म. ने इस ग्रंथ में भावनाओं का सुंदर मार्गदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि मन भावित नहीं होगा तो व्यक्ति कितना भी सफल क्यों न हो, भीतर की परिस्थितियां शांत नहीं हो सकतीं। आचार्यश्री ने बारह भावनाओं के माध्यम से मन को निर्मल एवं स्थिर बनाने की प्रेरणा देते हुए प्रथम अनित्य भावना का विवेचन किया। उन्होंने कहा कि जीवन में कुछ भी स्थायी नहीं है। यह पानी के बुलबुले, चमकती बिजली और इंद्रधनुष के रंगों की तरह क्षणभंगुर है। हथेली में रखे पानी की तरह जीवन कब फिसल जाए, कहा नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि हमारे पास सुख-सुविधाएं, साधन और संपत्ति हैं, लेकिन एक दिन या तो हमें इन पदार्थों को छोड़ना पड़ेगा या पदार्थ हमें छोड़ देंगे। इसे समझाते हुए उन्होंने कहा, आपको जीवन से रिजाइन करके जाना है या डिसमिस होकर जाना है, यह आपको तय करना है। संसारी व्यक्ति मजबूरी में संसार छोड़ता है, जबकि संयमी स्वेच्छा से त्याग करता है।

आचार्यश्री ने कहा कि जीवन में पुण्य, मन और आयुष्य-इन तीनों का भरोसा नहीं करना चाहिए। पुण्य के उदय से सफलता, प्रतिष्ठा और अनुकूलताएं मिलती हैं, लेकिन यह स्थायी नहीं होतीं। उन्होंने चिंतन कराया, हम दवाई की एक्सपायरी डेट तो चेक करते हैं, लेकिन क्या कभी अपने पुण्य की एक्सपायरी डेट चेक की है? पुण्य की भी एक सीमा होती है। मन की चंचलता पर उन्होंने कहा, मन की कभी मत मानना, मन को मनाना; मन न माने तो मन को मोड़ना और मोड़ना भी न आए तो मन को तोड़ना सीखो। उत्तराध्ययन सूत्र का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पुण्य और मन शक्तिशाली हो सकते हैं, लेकिन आयुष्य का कोई भरोसा नहीं। जन्म के समय नाम नहीं था, श्वास थी; मृत्यु के समय नाम रहेगा, लेकिन श्वास नहीं रहेगी। इसलिए मृत्यु को भय नहीं, बल्कि जीवन की अनिवार्य सच्चाई के रूप में स्वीकार करने की तैयारी करनी चाहिए।

अग्रट्रेड द्वारा 'चक्रव्यूह' नाटक का मंचन 29 को
डॉ. नितीश भारद्वाज पहली बार चेन्नई में भगवान श्रीकृष्ण की भूमिका में देंगे प्रस्तुति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय अग्रणी व्यापारिक एवं सामाजिक संगठन अग्रट्रेड भारत की सर्वाधिक चर्चित एवं बहुचर्चित नाट्य प्रस्तुतियों में से एक चक्रव्यूह का आयोजन 29 अगस्त को लेडी अंडाल ऑडिटोरियम (सर मुथा वेंकटसुब्बा राव कॉन्सर्ट हॉल), चेन्नई में करने जा रहा है। इसमें देशभर में दूरदर्शन के ऐतिहासिक धारावाहिक महाभारत में भगवान श्रीकृष्ण की भूमिका निभाकर करोड़ों लोगों के दिलों में विशेष स्थान बनाने वाले डॉ. नितीश भारद्वाज एक बार पुनः उसी दिव्य स्वरूप में मंच पर दर्शकों का मार्गदर्शन करते नज़र आएँगे। प्रसिद्ध लेखक एवं निर्देशक अतुल सत्य कौशिक द्वारा लिखित एवं निर्देशित चक्रव्यूह पिछले 11 वर्षों से देशभर के प्रतिष्ठित मंचों पर सफलतापूर्वक प्रस्तुत किया जा रहा है। यह नाटक महाभारत के तेरहवें दिन की घटनाओं पर आधारित है और नेतृत्व, रणनीति, धर्म, कर्म, नैतिकता, साहस तथा निर्णय क्षमता जैसे जीवन के महत्वपूर्ण विषयों को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करता है। यह केवल एक नाट्य प्रस्तुति नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिकता और जीवन-दर्शन का अद्भुत संगम है, जो प्रत्येक आयु वर्ग के दर्शकों को प्रेरित करेगा। यह कार्यक्रम अग्रट्रेड के अध्यक्ष रामजी रुंगटा सचिव सुमित केडिया कार्यक्रम अध्यक्ष गोवर्धन अग्रवाल एव कार्यक्रम सह-अध्यक्ष रवि सर्राफ के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है।

चन्द्रप्रभु जैन कॉलेज में छात्र प्रशिक्षण कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां मिंजूर के श्री चन्द्रप्रभु जैन कॉलेज के करुणा इंटरनेशनल क्लब द्वारा भगवान महावीर सभागार में छात्र प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में पशु कल्याण, मानवीय मूल्यों, पर्यावरण संरक्षण, देशभक्ति, करुणा तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज प्रार्थना से हुआ।

इसके पश्चात दीप प्रज्ज्वलन, करुणा प्रार्थना तथा करुणा प्रतिज्ञा आयोजित की गई। इन गतिविधियों के माध्यम से करुणा, शांति, अहिंसा तथा सभी जीवों के प्रति सेवा भावना के मूल्यों पर प्रकाश डाला गया। करुणा क्लब की सहायक समन्वयक डॉ. एम. जीविता ने स्वागत भाषण दिया। इसके बाद कॉलेज की प्राचार्या एवं करुणा क्लब की मुख्य संरक्षिका डॉ. एन. सुजाता ने अध्यक्षीय भाषण दिया। करुणा क्लब की समन्वयक जी. इंदुमति ने मुख्य अतिथि का परिचय कराया तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला।

मुख्यअतिथि के. मीनाक्षी ने विद्यार्थियों को संबोधित किया तथा करुणा आंदोलन के उद्देश्यों एवं गतिविधियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उनके संबोधन ने विद्यार्थियों को पशुओं, मनुष्यों तथा पर्यावरण के प्रति सहानुभूति, दया और संवेदनशीलता विकसित करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. इधयगीतम रामानुजम ने पशु देखभाल, पर्यावरण एवं एफवाईए विषय पर प्रशिक्षण सत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने पशुओं की देखभाल तथा पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक किया। थमरै, ह्यूमन एजुकेशनल ऑफिसर, ब्लू क्रॉस ऑफ इंडिया ने मानव अधिकार एवं पशु कल्याण विषय पर विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने पशुओं के प्रति दया, करुणा तथा जिम्मेदार व्यवहार के महत्व पर जोर दिया।दूसरे सत्र में के. भानुमति ने मानवीय मूल्य एवं देशभक्ति विषय पर सत्र आयोजित किया। उन्होंने अनुशासन, सम्मान, करुणा, अच्छे चरित्र तथा जिम्मेदार नागरिकता के महत्व को समझाया।

कार्यक्रम के अंतर्गत विशेष करुणा क्लब बैज वितरण समारोह आयोजित किया गया। करुणा क्लब के पदाधिकारियों को बैज प्रदान किए गए, जिससे उनकी सदस्यता एवं जिम्मेदारियों की औपचारिक पहचान हुई। कार्यक्रम में प्रतिभागियों के लिए प्रतिक्रिया एवं संवाद सत्र आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से चर्चा में भाग लिया, अपने विचार साझा किए तथा अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया। इस संवाद के माध्यम से विद्यार्थियों ने पशु कल्याण, मानवीय मूल्यों तथा पर्यावरण संरक्षण के व्यावहारिक महत्व को बेहतर ढंग से समझा। कार्यक्रम का समापन करुणा क्लब की सदस्य डॉ. एस. देवी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

लोक जीवन में मनुष्य की सबसे बड़ी सम्पत्ति है विश्वास : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ चूलै स्थित लक्ष्मी महल में चातुर्मासार्थ विराजित श्री कपिल मुनि जी म. सा. ने बुधवार को प्रवचन के दौरान कहा कि मनुष्य की पहचान पैसा, पद, प्रतिष्ठा या बाहरी व्यक्तित्व से नहीं होती। उसकी पहचान उसके वचन से होती है। व्यक्ति क्या कहता है, उससे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि वह अपने कहे हुए शब्दों के प्रति कितना ईमानदार है। जिस व्यक्ति की वाणी और आचरण में एकरूपता होती है वही वास्तव में चरित्रनिष्ठ कहलाता है। महापुरुषों के लिए सबसे बड़ा बंधन वचन का बंधन होता है उनके मुख से निकला हुआ वचन उनके लिए संकल्प बन जाता है और संकल्प की रक्षा के लिए वे सुख-सुविधा ही नहीं, आवश्यकता पड़ने पर अपना सर्वस्व तक छोड़ने को तैयार रहते हैं। प्राण जाए, पर वचन न जाए। यह उक्ति चरित्र की सर्वोच्च कसौटी है। प्राणों की रक्षा करना सहज है, लेकिन अपने वचन की रक्षा के लिए प्राणों की भी परवाह न करना असाधारण चरित्र का परिचय है। मुनि श्री ने कहा कि इतिहास ऐसे महापुरुषों के उदाहरणों से भरा पड़ा है जिन्होंने अपने वचन को अपने जीवन से भी अधिक मूल्यवान माना। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने पिता के वचन की मर्यादा रखने के लिए राजसिंहासन छोड़कर वनवास

स्वीकार किया। उनके सामने सत्ता थी, सुख था, राजवैभव था लेकिन उन्होंने इन सबकी तुलना अपने वचन की कीमत से नहीं की। उनके लिए वचन ही धर्म था और धर्म ही जीवन था। यही वचननिष्ठा मनुष्य को सामान्य से असाधारण बनाती है। आज की दुनिया में समस्या यह नहीं कि लोग बोलते कम हैं समस्या यह है कि बोलने से पहले सोचते कम हैं और बोलने के बाद निभाते उससे भी कम हैं। वचन देना बहुत आसान हो गया है परिस्थितियों के अनुसार बात बदल लेना, सुविधा के अनुसार अपना निर्णय बदल लेना और स्वार्थ के अनुसार अपने शब्दों का अर्थ बदल लेना सामान्य व्यवहार समझ लिया गया है। वचन की कीमत शब्दों में नहीं, उसे निभाने के साहस में होती है।

जो व्यक्ति कहता कुछ है और करता कुछ और है, अर्थात कथनी और करनी में फर्क होता है। धीरे-धीरे उसकी विश्वसनीयता समाप्त हो जाती है। प्रारंभ में लोग उसकी बात पर विश्वास करते हैं, फिर संदेह करने लगते हैं और अंततः उसकी बात को गंभीरता से लेना ही बंद कर देते हैं। उसके पास धन हो सकता है, पद हो सकता है, प्रभाव हो सकता है, लेकिन विश्वास नहीं रहेगा तो उसके व्यक्तित्व की सबसे मूल्यवान पूँजी समाप्त हो जाएगी। लोकजीवन में व्यक्ति की सबसे बड़ी संपत्ति विश्वास है। धर्मसभा का संचालन मंत्री शांतिलाल गुगलिया ने किया।

हरियाली तीज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मदुरै में तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में हरियाली तीज का कार्यक्रम तेरापंथ भवन में अत्यन्त सुन्दर और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्ष दीपिका फूलफगर ने नवकार मंत्र के मंगल उच्चारण के साथ किया। कार्यक्रम को मनोरंजक एवं रोचक बनाने में उपाध्यक्षा सुनीता कोठारी, कन्या मंडल प्रभारी लता कोठारी एवं पूजा कोठारी का विशेष योगदान रहा। उन्होंने अपनी सुंदर प्रस्तुतियों के साथ सभी सदस्यों को विभिन्न रोचक खेल खिलाए। मंत्री मधु पारख ने आ देखे ज़रा, किसमें कितना है दम थीम पर मनोरंजक खेलों का आयोजन करवाकर कार्यक्रम में उत्साह और उमंग भर दी।उपाध्यक्षा रेखा दूगड़ ने पूरे कार्यक्रम के मनमोहक छायाचित्र एवं सुंदर वीडियो बनाकर इस यादगार आयोजन को संजोया।

भक्ति और आत्मपुरुषार्थ से ही प्रकट होती है वास्तविक महानता : संतश्री वीरमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के ज्ञानोदय दिगंबर जैन मंदिर, तुबरहल्ली में मुनिश्री वीरसागर जी ने अपने प्रवचन में कहा कि वास्तविक महानता सांसारिक उपलब्धियों से नहीं, बल्कि गुरु के प्रति अटूट श्रद्धा, समर्पण, संयम और निरंतर आत्मपुरुषार्थ से प्राप्त होती है। मनुष्य सामान्यतः धन, प्रतिष्ठा, पद और सुख-सुविधाओं को जीवन की सफलता मानता है, लेकिन ये सभी उपलब्धियां परिवर्तनशील हैं। सांसारिक स्वप्न पूरे होने के बाद भी समाप्त हो जाते हैं। इसके विपरीत आत्मकल्याण, आध्यात्मिक साधना और मोक्ष की दिशा में किया गया पुरुषार्थ शाश्वत फल प्रदान करता है। इस मार्ग पर सच्चे गुरु का मार्गदर्शन अत्यंत आवश्यक है।

मुनिश्री ने समझाया कि गुरु-भक्ति केवल पूजा या वंदना तक सीमित नहीं है। शिष्य का मन और स्मृति गुरु के गुणों एवं उपदेशों में रमे, दृष्टि गुरु के आदर्शों को देखे, कान उनके धर्मोपदेश को सुनें और शरीर-वाणी सेवा, विनय एवं आराधना में लगे-यही सच्ची गुरु-भक्ति है। जब भक्ति साधक के जीवन का निरंतर भाव बन जाती है, तब सांसारिक आकर्षण कमजोर पड़ने लगते हैं और भीतर आध्यात्मिक तेज का जागरण होता है। मुनिश्री ने आचार्य विद्यासागर जी की महानता का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी आध्यात्मिक ऊंचाई उनके गुरु आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज के प्रति पूर्ण समर्पण और कठोर साधना का परिणाम थी।

साधना के लिए नींव के पत्थर के समान है श्रद्धा : संतश्री कमलेशमुनि

मैसूरु। शहर के स्थानकवासी जैन संघ हल्लदकेरी के तत्वावधान में विराजित कमलमुनिजी कमलेश ने स्थानक भवन में प्रवचन सभा में कहा कि बिना आस्था, विश्वास और श्रद्धा के कठोर से कठोर की गई साधना भी खेत में बिना बीज डाले खेती करने के समान है। साधना करना, संत बनना, दान देना सरल है, उससे अत्यंत दुष्कर है श्रद्धा का मन मंदिर में बीजारोपण होना। साधना के लिए नींव के पत्थर के समान है श्रद्धा। धर्म का प्रवेश द्वार है श्रद्धा। जिसको अपने ऊपर श्रद्धा नहीं वह धर्म भगवान और साधना पर क्या विश्वास करेगा ? उन्होंने कहा कि लोक, लाज, भय, स्वार्थ और मोह की भावना से किया गया धर्म आत्म कल्याण में सहयोगी नहीं बन सकता है।

संतश्री ने कहा कि जितना डॉक्टर की वाणी पर श्रद्धा करते हैं, उतनी ही श्रद्धा हमें महापुरुषों की वाणी पर भी करनी चाहिए।

भोग विलास एवं विषय विकारों से दूर रहना ही सच्चा उपवास है : जयतिलक मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

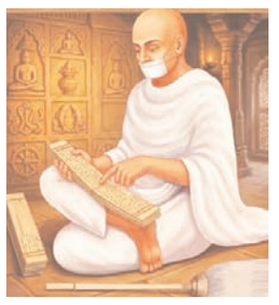

चेन्नई। यहां साहुकारपेट के एसएस जैन संघ के तत्वावधान में जैन भवन के प्रांगण में चातुर्मासार्थ विराजित जयगच्छ आचार्य श्री पार्श्वचन्दजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती, श्री जयतिलक मुनिजी म.सा. ने बुधवार को अपने प्रवचन में उपवास और सेवा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए फरमाया कि उपवास का वास्तविक अर्थ केवल भोजन का त्याग करना नहीं है, बल्कि सम्पूर्ण संसार, भोग-विलास एवं विषय-विकारों से दूर रहकर आत्मा के निकट स्थित होना ही सच्चा उपवास है।

गुरुदेव ने कहा कि उपवास करने वाले तपस्वी को सांसारिक कार्यों, व्यापार, खेलकूद तथा मनोरंजन जैसी प्रवृत्तियों का त्याग कर आत्मचिंतन एवं धर्म-आराधना में समय लगाना चाहिए। जब मनुष्य बाह्य विषयों से हटकर आत्मा की ओर उन्मुख होता है, तभी उपवास की सार्थकता सिद्ध होती है। उपवास आत्मशुद्धि का एक श्रेष्ठ साधन है, जो मन, वचन और काया को संयमित बनाता है। अपने प्रवचन में गुरुदेव ने सेवा के महत्व को बताते हुए कहा कि भगवान ने सेवा और स्वाध्याय दोनों को महत्वपूर्ण माना है, किन्तु सेवा का स्थान विशेष है। यदि हमने किसी की सेवा ग्रहण की है तो उसके प्रति कृतज्ञता का भाव रखते हुए उसका ऋण चुकाने का प्रयास करना चाहिए। सेवा करने वाले व्यक्ति की भावना सदैव निर्मल और उत्तम होती है। निस्वार्थ भाव से की गई सेवा अमूल्य पुण्य का कारण बनती है तथा जीवन में सुख, शांति और आत्मिक संतोष प्रदान करती है।

गुरुदेव ने कहा कि सेवा के पीछे यदि स्वार्थ छिपा हो तो उसका वास्तविक फल प्राप्त नहीं होता। सच्ची सेवा वही है जो निष्काम भाव से की जाए। सेवा करने वाला जीव शुभ कर्मों का बंध करता है और उसे साता वेदनीय कर्म का उदय प्राप्त होता है। सेवा से हृदय में करुणा, विनम्रता और परोपकार की भावना विकसित होती है। जब तक शरीर स्वस्थ एवं सक्षम हो, तब तक यथासंभव दूसरों की सेवा करनी चाहिए और अनावश्यक रूप से किसी पर निर्भर नहीं होना चाहिए।

कार्यक्रम का संचालन संघ अध्यक्ष संजय पिंचा ने किया। धर्मसभा में निर्मल मलरेचा, राजु वेद, राजेश ललवानी सुरेश आबड़, ज्ञानचंद कांकलिया, दिलीप गादिया, अजीत कोठारी, विनोद बागरेचा सहित अनेक गुरुभक्त उपस्थित थे। यह जानकारी संघ के महामंत्री पृथ्वीराज बागरेचा ने दी है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.